श्री सुन्दर सिंह भण्डारी स्मृति प्रन्यास संस्थान

सत्यमेव जयते

मरु कमल दर्पण

मासिक

वर्ष : 16 अंक : 7 • जुलाई, 2026 • प्रकाशन तिथि : 25 जुलाई, 2026 • मूल्य : 20 रु. प्रति • 200 रु. वार्षिक • पृष्ठ : 28

माँ भारती

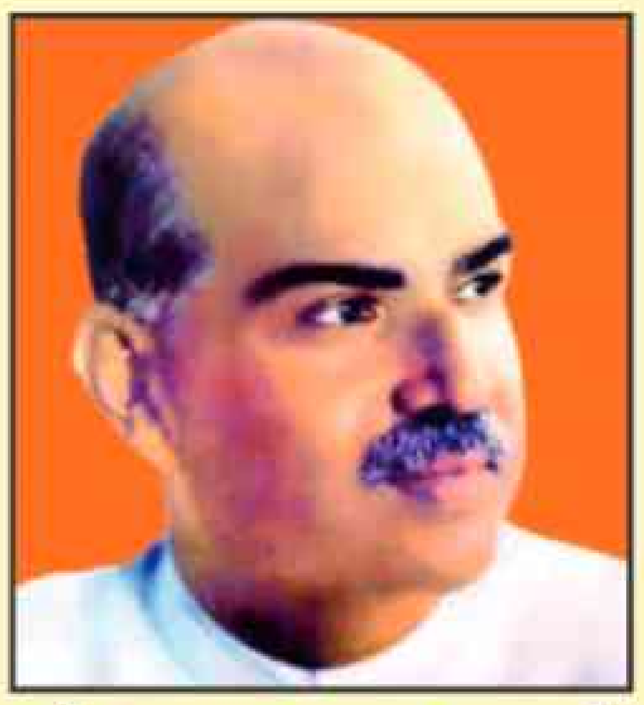

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

पं. दीनदयाल उपाध्याय

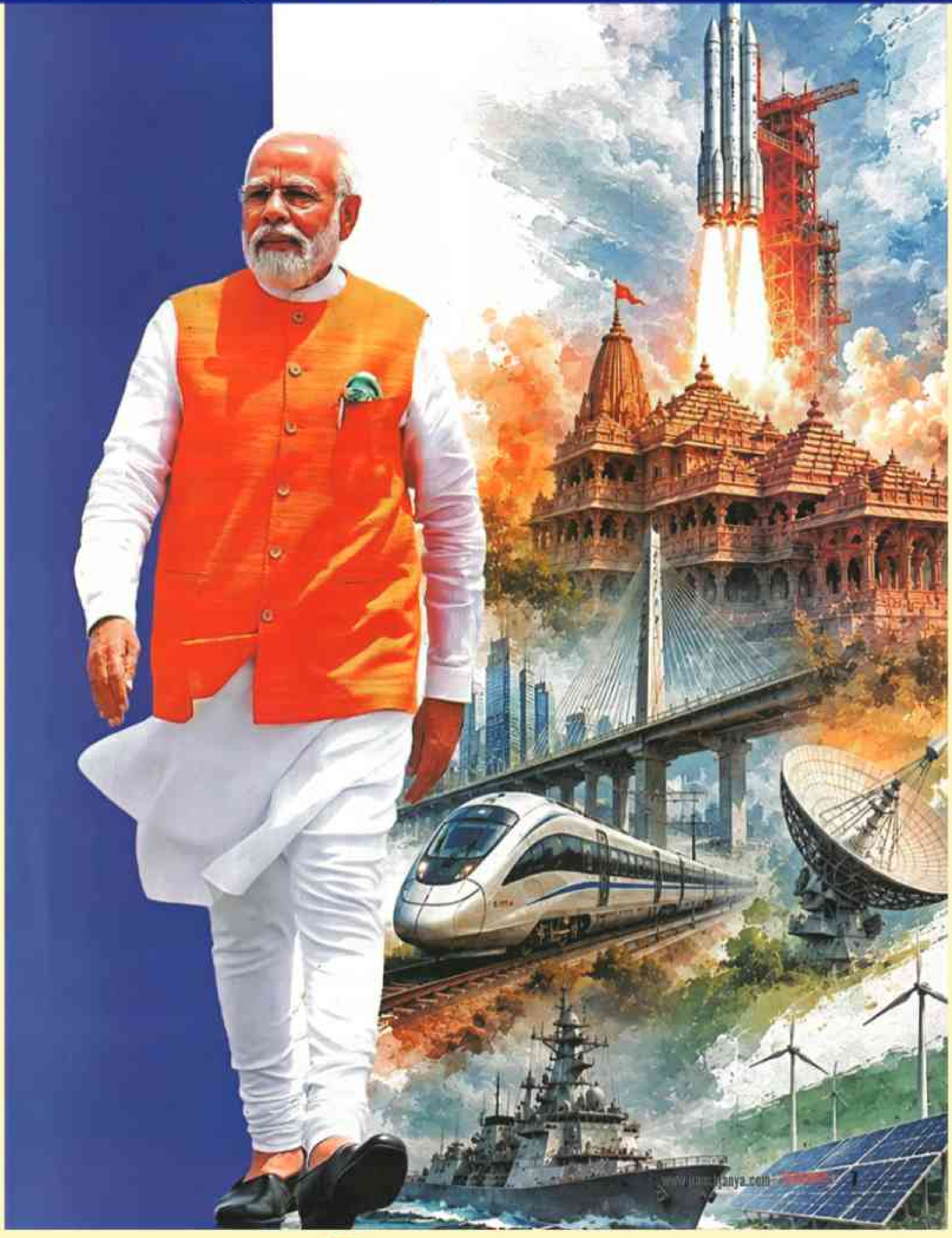

बारह बरस की करवट

2014 से 2026 का दौर देश के नवोदय का कालखंड सिद्ध हुआ, इस अवधि में नीतिगत साहस, तेजी से विकसित होती आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, निर्णायक राष्ट्रीय सुरक्षा, व्यापक जनकल्याण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण ने मिलकर ऐसे नए मानक गढ़े जिन्होंने आत्मविश्वासी, सक्षम और वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर नए भारत की नींव को ओर सुदृढ़ किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अस्थि कलश, जनसंघ के प्रदेश कार्यालय, जयपुर में रखा गया

32 साल पुराना यमुना जल विवाद खत्म
हरियाणा-राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने किये हस्ताक्षर

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती के अवसर पर चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़ एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय कुमार

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़ जी के जन्मदिन के अवसर पर कार्यकर्ताओं को शरबत पिलाते हुए ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. महेन्द्र कुमावत एवं प्रदेश मंत्री श्रीमती अपूर्वा सिंह एवं अन्य

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक लेते हुए प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़ एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय कुमार

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया संवाद करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़

सत्यमेव जयते
श्री सुन्दर सिंह भण्डारी स्मृति प्रन्यास संस्थान

मरु कमल दर्पण
(मासिक)

अंक–07 (वर्ष–16)
प्रेषण तिथि
29 जुलाई 2026

मार्गदर्शक
मदन राठौड़
अजेय कुमार

सम्पादक
डॉ. सतीश पूनियां

सह सम्पादक
प्रोफेसर बीरुसिंह राठौड़

सम्पादक मण्डल
सुनील कोठारी
चम्पालाल रामावत

कार्यालय प्रबन्धन
त्रिलोक शर्मा

वार्षिक शुल्क
दो सौ रुपए
आजीवन शुल्क
एक हजार रुपए

प्रबन्धकीय कार्यालय
सी–51, सरदार पटेल मार्ग
सी–स्कीम, जयपुर–302001
मो. 9314602641
E-mail : marukamaldarpan@yahoo.in

विषय सूची

[redacted]

अपनी बात....	04–05
राष्ट्रवाद, शिक्षा और लोकतंत्र में डॉ. मुखर्जी का अहम योगदान	06
'विकसित भारत' एक नारा नहीं, संकल्प है : नितिन नवीन	07
पचपदरा रिफाइनरी: नए भारत, विकसित राजस्थान की विकासगाथा	08
भारत प्रगति पथ पर अग्रसर– 12 वर्ष विश्वास के, विकास के...	09–11
राजस्थान में डबल इंजन सरकार की प्रगति : राजेन्द्र राठौड़	12
एक राष्ट्र के दो झंडे स्वीकार नहीं थे : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	13
मोदी सरकार के 12 साल: दशक में शतक की यात्रा: अनुराग ठाकुर	14
श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अस्थिकलश को वाजपेयी जयपुर लाए थे	15
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बने भागीरथ–यमुना जल समझौता	16
अयोध्या चंदा गबन– दोषियों को मिले कड़ी सजा : होसबाले	17
प्रगति पथ पर राजस्थान : प्रोफेसर बीरूसिंह राठौड़	18–20
नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के 12 वर्ष में बदली विकास और सुशासन...	21
2014 से पहले भ्रष्टाचार और मंहगाई से जूझ रहा था देश...	22–23
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में सशक्त, समृद्ध भारत	24–25
विकास के पथ पर गतिमान राजस्थान.....	26

अपनी बात

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष

प्रिय बन्धुवर,

सप्रेम नमस्कार।

वर्ष 2014 का भारत और वर्ष 2026 का भारत इन दोनों के बीच का अंतर केवल समय का नहीं, बल्कि सोच, नेतृत्व संकल्प और परिणामों का अंतर है। वर्ष 2014 से पूर्व देश निराशा, भ्रष्टाचार, नीतिगत पंगुता और कमजोर नेतृत्व के दौर से गुजर रहा था। कांग्रेस के नेतृत्व के दौर से गुजर रहा था। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों ने देश को घोटालों, तुष्टिकरण और परिवारवाद की राजनीति में जकड़ दिया था। वर्ष 2014 का भारत और वर्ष 2026 का भारत इन दोनों के बीच का अंतर केवल समय का नहीं, बल्कि सोच, नेतृत्व, संकल्प और परिणामों का अंतर है। राष्ट्रीय सुरक्षा उपेक्षित थी, सीमाओं पर चुनौतियां बढ़ रही थीं, आतंकवाद, नक्सलवाद और अलगाववाद राष्ट्र की एकता के लिए गंभीर खतरा बन चुके थे। शासन व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता का अभाव था तथा जनता का विश्वास लगातार कमजोर हो रहा था।

ऐसे कठिन समय में देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया। मोदी जी ने केवल सरकार नहीं बदली, बल्कि शासन की संस्कृति बदल दी। उन्होंने देश को निराशा से निकालकर आत्मविश्वास, सुशासन और विकास के मार्ग पर अग्रसर किया। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। वर्ष 2014 में लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था आज 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, युद्धों और महामारी के बावजूद भारत सात प्रतिशत से अधिक की विकास दर के साथ विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

जहां कांग्रेस शासन में महंगाई दोहरे अंक में पहुंच गई थी, वहीं मोदी सरकार ने इसे 5 प्रतिशत से नीचे नियंत्रित रखा है। मध्यम वर्ग को राहत देते हुए आयकर छूट की सीमा को 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख 75 हजार किया गया। भारत का निर्यात 45 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 79 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक का विदेशी मुद्रा भंडार सात सौ बिलियन डॉलर के आसपास पहुंचकर आर्थिक मजबूती का प्रतीक बन गया है।

बैंकों का एनपीए 4.4 प्रतिशत से घटकर 1.93 प्रतिशत रह गया है, जो वित्तीय अनुशासन और सुधारों की सफलता को दर्शाता है। आज भारत केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता राष्ट्र बन रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पांच गुना बढ़ा है और मोबाइल निर्माण में भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की है। वर्ष 2014 में जहां मोबाइल निर्माण नगण्य था, वहीं आज इसका उत्पादन 5 लाख 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुका है। केवल दो विनिर्माण इकाइयों से बढ़कर यह संख्या लगभग तीन सौ इकाइयों तक पहुंच गई है और मोबाइल निर्यात में 163 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। स्टार्टअप इंडिया की सफलता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2014 में जहां 400 से भी कम स्टार्टअप थे, वहीं आज उनकी संख्या 2.2 लाख से अधिक हो चुकी है, जिन्होंने तेईस लाख से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के आधारभूत ढांचे को नई गति प्रदान की। आज भारत का रोड नेटवर्क विश्व का दूसरा सबसे बड़ा रोड नेटवर्क है। एक्सप्रेस–वे नेटवर्क 93 किलोमीटर से बढ़कर 3 हजार किलोमीटर से अधिक हो चुका है। रेलवे का शत–प्रतिशत ब्रॉडगेज विद्युतीकरण पूरा हो गया है। वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें नए भारत की पहचान बन चुकी है। फास्टैग जैसी व्यवस्थाओं ने टोल प्लाजा पर लगने वाले समय को बारह मिनट से घटाकर लगभग चालीस सेकंड कर दिया है।

ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत ने अभूतपूर्व प्रगति की है। सौर ऊर्जा उत्पादन में 53 गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में जहां सौर क्षमता केवल 2.8 गीगावाट थी, वहीं आज यह 150 गीगावाट से अधिक हो गई है। गांवों में 23 घंटे से अधिक बिजली

उपलब्ध हो रही है। 25 लाख से अधिक सोलर पंप किसानों को दिए गए हैं। पूर्वोत्तर भारत के प्रत्येक घर तक बिजली पहुंचाने का कार्य पूरा किया गया है। जल जीवन मिशन के तहत 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है। गरीब कल्याण को मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया गया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक पक्के घर गरीबों को मिले। आयुष्मान भारत योजना के तहत 60 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन योजना के माध्यम से 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। जनधन योजना के अंतर्गत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोलकर गरीबों को वित्तीय मुख्यधारा से जोड़ा गया है। कृषि क्षेत्र में भी ऐतिहासिक परिवर्तन हुए है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्राकृतिक खेती, कृषि अवसंरचना और एठी–स्टार्टअप्स के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए। 21 लाख किसान ऊर्जा उत्पादक बने हैं। तथा 12800 से अधिक एडी–स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं। कृषि क्षेत्र में तकनीक, नवाचार और निवेश को बढ़ावा देकर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में मोदी सरकार ने निर्णायक नेतृत्व का परिचय दिया है। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट कर दिया कि नया भारत आतंकवाद को उसकी भाषा में जवाब देना जानता है। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर राष्ट्रीय एकीकरण को नई मजबूती प्रदान की गई। आतंकवादी घटनाओं में लगभग 95 प्रतिशत तक कमी आई है। नक्सलवाद एवं माओवाद जो दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती बना रहा, उसे मार्च 2026 में अधिकृत रूप से समाप्त कर दिया गया है। कांग्रेस शासन में जिन समस्याओं को राजनीतिक कारणों से पोषित किया गया, मोदी सरकार ने उन्हें समाप्त करने का साहसिक प्रयास किया।

भारत आज रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। जो देश कभी रक्षा सामग्री का सबसे बड़ा आयातक माना जाता था, वह आज 38300 करोड़ रुपये से अधिक का रक्षा निर्यात कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत अभियान की बड़ी सफलता है। भारत ने 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते और आर्थिक सहयोग को नई गति प्रदान की है। मोदी सरकार ने केवल विकास ही नहीं किया, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा को भी पुनर्जीवित किया। सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ, जहां 16 करोड़ से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर ढाई करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंच चुके हैं। कर्तव्य पथ, लोक कल्याण मार्ग और भारत मंडपम जैसे निर्माण भारत की सांस्कृतिक चेतना और आधुनिकता का संगम प्रस्तुत करते हैं। योग को वैश्विक पहचान दिलाकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में स्थापित करना भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के माध्यम से औपनिवेशिक कानूनों की मानसिकता से देश को मुक्त करने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। आज विश्व भारत को नई दृष्टि से देख रहा है। 32 देशों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया जाना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है। भारत जी–20 की सफल अध्यक्षता करता है, वैश्विक मंचों पर अपनी बात मजबूती से रखता है और विश्व की प्रमुख शक्तियों के बीच निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

यह बारह वर्षों की यात्रा केवल सरकार की उपलब्धियों का लेखा–जोखा नहीं है, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक विश्वास, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की कहानी है। कांग्रेस के दौर की निराशा, भ्रष्टाचार और नीतिगत अस्थिरता से निकलकर भारत आज आत्मविश्वास, विकास, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के नए युग में प्रवेश कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प अब केवल सपना नहीं, बल्कि साकार होती हुई राष्ट्रीय वास्तविकता है। आने वाला अमृतकाल भारत को विश्व की अग्रणी शक्ति बनाने का कालखंड सिद्ध होगा।

(मदन राठौड़)
प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा राजस्थान

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती, एक देश, एक संविधान के लिए संघर्ष करने वाले नेता की विरासत

राष्ट्रवाद, शिक्षा और लोकतंत्र में डॉ. मुखर्जी का अहम योगदान

–नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए खास है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म–जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

डॉ. मुखर्जी का उद्देश्य देश को एक रखना था। विभाजन के दौर में उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए अहम भूमिका निभाई। कुछ साल बाद उन्होंने जम्मू–कश्मीर के विशेष प्रावधानों के खिलाफ संघर्ष तेज किया। जेल और नजरबंदी भी उनके संकल्प को नहीं डिगा सकी। नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ। वे उन लोगों से दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर लड़ते रहे। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि उन्होंने उसी उद्देश्य के लिए बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 (A) हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा को राष्ट्रहित से जोड़ा। शिक्षाविदों के सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था, 'शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा, ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जैसे म्युनिसिपल कॉरपोरेशंस, प्रांतीय,केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें।'

कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग, स्टूडेंट वेलफेयर पर भी ध्यान रहा। विश्वविद्यालय में गर्व की भावना के लिए 24 जनवरी को स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की।

जीवन के बाद के वर्षों में डॉ. मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में कांग्रेस का वर्चस्व था। उन्होंने महसूस किया कि देश को ऐसे विकल्प की जरूरत है, जो प्रगति की बात करें। सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। इसी सोच के साथ पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीपक' रखा। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें अपने आस–पास के गहरे से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत गक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया।

डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री रहे। उनका विजन व्यापक था। वे उद्योगों को आजाद भारत के लोगों में सम्मान, अवसर, आत्मविश्वास का माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन का महत्व समझते थे। उनके कार्यकाल में दामोदर वैली ऑरपंरिशन जैसी पहल हुई। सिंदरी उर्वरक संयंत्र की स्थापना के प्रयास हुए। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों, कपड़ा उद्योग के श्रमिकों के हितों के समर्थक रहे। यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हैं। सिंदरी संयंत्र की कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला।

डॉ. मुखर्जी संवाद और विचार–विमर्श की भारतीय परंपरा के समर्थक थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना स्वीकार किया। कारण था– राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता। उन्होंने निष्ठा से जिम्मेदारी निभाई। फिर राष्ट्रीय महत्व के प्रश्नों पर अलग मार्ग जरूरी लगा। उन्होंने गरिमा के साथ इस्तीफा दिया।

75 वर्ष पहले पंडित नेहरू पहला संविधान संशोधन लेकर आए। तब डॉ. मुखर्जी इसके सबसे मुखर आलोचक रहे थे। वे भली–भांति समझ चुके थे कि कांग्रेस किस हद तक जा सकती हैं। समय के साथ उनकी यह आशंका सही साबित हुई। जो पार्टी 75 वर्ष पहले पहला संविधान संशोधन लेकर आई थी, उसी ने 1975 में देश पर आपातकाल थोपा। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पहले 42वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर एक बार फिर लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद पर कुठाराघात किया।

1943 के बंगाल अकाल में डॉ. मुखर्जी ने राहत कार्य

(शेष पृष्ठ 25 पर)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'संकल्प से सिद्धि' का यह गौरवशाली कालखंड रहा है

विकसित भारत एक नारा नहीं संकल्प है

–नितिन नवीन, राष्ट्रीय अध्यक्ष भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने विश्वास, विकास और जनकल्याण को समर्पित अपने 12 वर्ष पूर्ण किए हैं। 'संकल्प से सिद्धि' का यह गौरवशाली कालखंड भारत के विकास, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और वैश्विक प्रतिष्ठा में अभूतपूर्व वृद्धि का साक्षी रहा है। कांग्रेस देश को अनिश्चितता, भ्रष्टाचार और कमजोर नेतृत्व की विरासत देकर गई थी, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मविश्वास, सुशासन और विकास की नई पहचान दी है। कांग्रेस के लिए राजनीति का मतलब वर्षों तक परिवार की विरासत को बचाना रहा, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के लिए राजनीति– 'परिवार नहीं राष्ट्र प्रथम' और 'सत्ता नहीं सेवा प्रथम' का मार्ग रही है।

> **भारत का सामूहिक स्वप्न...**
>
> **सरकार के ये 12 वर्ष जहां सेवा, सुशासन और जन–आकांक्षाओं की पूर्ति के रहे हैं, वहीं अगले 21 वर्ष विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की यात्रा होंगे। इस अमृतकाल में सभी देशवासी मिलकर एक सशक्त, समृद्ध, सुरक्षित, स्वावलंबी, समर्थ और समरस भारत के सामूहिक स्वप्न' को अवश्य साकार करेंगे।**

यदि हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के इतिहास को देखें, तो उनकी सफलता के पीछे जो एक मूलमंत्र नजर आता है, वह है उस राष्ट्र का 'सामूहिक स्वप्न'। भारत के संदर्भ में, वर्ष 2014 में पहली बार 140 करोड़ की विशाल जनता को सामूहिक चेतना के एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने किया। देश को पहला ऐसा नेतृत्व मिला है, जो एक 'प्रधान सेवक' के भाव से 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के महा–संकल्प को लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। 2014 में प्रधानमंत्री ने पहले को एक 'सामूहिक सोच' दी, फिर जन–विश्वास के बल पर उस सोच को 'सामूहिक संकल्प' में बदला, और आज वही संकल्प विकसित भारत' के रूप में 'सामूहिक स्वप्न' का रूप ले चुका है।

इस महापरिवर्तन की शुरुआत बुनियादी ढांचे की अभूतपूर्व क्रांति से हुई। 2014 से पहले देश बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था। आज जमीनी स्तर पर बदलाव का परिणाम है कि 12 करोड़ से अधिक शौचालय बने, 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हुआ, एक्सप्रेस–वे नेटवर्क 7 गुना बढ़ा और एयरपोर्ट्स 74 से 160 से अधिक हो गए। यह कालखखंड मानसिक गुलामी से मुक्ति और वास्तविक 'डी–कलोनाइजेशन का साथी है। लोक कल्याण मार्ग, कर्तव्य पथ और सेवा तीर्थ का नामकरण और योग का वैश्विक प्रसार इसका प्रमाण है। एक समय था जब देश के शीर्ष नेतृत्व ने तत्कालीन 54 करोड़ की आबादी को बोझ माना था, पर आज प्रधानमंत्री मानते हैं कि यही 140 करोड़ देशवासी भारत के विकास की गाथा की सबसे मजबूत कड़ी हैं। इसी सोच ने धारा 370 को हमेशा के लिए निरस्त किया। आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेस्' की नीति अपनाई गई। कोरोना काल में 220 करोड़ से अधिक मुफ्त वैक्सीन डोज और वैक्सीन मैत्री ने वैश्विक स्तर पर भारत की क्षमता का परिचय दिया।

आज का युवा 'जॉब सीकर' नाहीं, बल्कि 'जॉब गिवर' बन रहा है। 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स और 125 से ज्यादा यूनिकॉर्न्स के साथ भारत मैनपावर से 'मैन्युफैक्चरिंग पावर' की ओर बढ़ रहा है। इसी प्रकार देश 'वीमेन डेवलपमेंट' से आगे बढ़कर 'वीमेन लोड डेवलपमेंट' का साक्षी बन रहा है, जहां 3 करोड़ से अधिक 'लखपति दीदी' और सुरक्षा बलों में महिला अधिकारियों की 4 गुना वृद्धि नारीशक्ति के स्वावलंबन को दर्शाती है। मोदी सरकार ने मातृशक्ति को सम्मान सुरक्षा, स्वाभिमान और हिस्सेदारी देने में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

गरीब कल्याण के क्षेत्र में, विभित्र योजनाओं में वंचितों के 'विशियस साइकिल' (दुष्चक) को 'वर्चुअस साइकिल' (गुणात्मक चक्र) में बदल दिया है, जिससे 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए है। 4 करोड़ पक्के घर, 60 करोड़ नागरिकों को आयुष्मान कवच और पीएम मुद्रा योजना के तहत 40 लाख करोड़ रुपए का कोलेटरल–फ्री लोन इसका आधार बना। डिजिटल कांति के क्षेत्र में. '1 रुपए में से सिर्फ 15 पैसे पहुंचने के पुराने दौर को समाप्त कर डीबीटी के माध्यम से 51 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजे गए। जनधन–आधार–मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी और यूपीआई के

माध्यम से आज ₹314 लाख करोड़ का वार्षिक डिजिटल लेनदेन हो रहा है, जो वैश्विक स्तर पर 49 प्रतिशत है। प्रकृति के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते हुए भारत ने स्वच्छ भारत अभियान, एक पेड़ मां के नाम और सोलर कैपेसिटी को 2.6 जीडब्ल्यू से 110 जीडब्ल्यू तक पहुंचाकर ग्रीन अर्थ के संकल्प को सिद्ध किया है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में आज देश के सीमावर्ती क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है। कभी देश के अंतिम गांव कहे जाने वाले ये क्षेत्र आज भारत के प्रथम गांव के रूप में नई पहचान पा चुके हैं। इसके साथ ही, आज भारत की सैन्य क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और हमारी सेनाएं अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित हैं। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम और महाकाल महालोक का जीर्णोद्धार हमारे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की उस सभ्यतागत चेतना का पुनर्जागरण है, जो विकास भी, विरासत भी के मूलमंत्र को पूरी सार्थकता से साकार कर रहा है।

पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश का सोचने का ट्रेंड भी बदला है। आज नए भारत का मिजाज ऐसा है, जहां आंत्रप्रेन्योर बनना एक ट्रेंड है, कड़ी मेहनत करना एक ट्रेंड है, और वोकल फॉर लोकल से लेकर मेक इन इंडिया को अपनाना हर नागरिक का मूलमंत्र बन चुका है। यह ऐसा दौर है, जहां तीव्र विकास के साथ–साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करना एक ट्रेंड है। आज देश में स्पिरिचुअल टूरिज्म का एक नया उभार दिख रहा है और सबसे महत्वपूर्ण बात, 'नेशन फर्स्ट' के भाव के साथ, एक सामूहिक संकल्प के साथ काम करना देश का ट्रेंड बन चुका है। इन तमाम सकारात्मक बदलावों के पीछे प्रधानमंत्री की भूमिका एक ट्रेंडसेटर की रही है, जिन्होंने इनके माध्यम से आज पूरे देश को एकता के एक मजबूत सूत्र में पिरो दिया है। आज भारत न केवल आंतरिक रूप से सशक्त हो रहा है, बल्कि वैश्विक पटल पर भी एक महाशक्ति के रूप में उभरा है।

जब प्रधानमंत्री को विश्व के 32 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त होता है, तो यह वास्तव में सनातन भारतीय सोच और 140 करोड़ देशवासियों के पुरूषार्थ का सम्मान है। यही कारण है कि आज विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसे देशवासियों ने अटूट विश्वास और संकल्पित भाव से आत्मसात किया है।

पचपदरा रिफाइनरी : नए भारत और विकसित राजस्थान की विकासगाथा

–भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री राजस्थान

राजस्थान की पावन धरती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत और अभिनंदन है। इस बार उनका आगमन राजस्थान के औद्योगिक इतिहास के उस स्वर्णिम अध्याय का साक्षी बनने का अवसर है, जिसकी वर्षों से प्रदेश को प्रतीक्षा रही है। पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड का राष्ट्र का समर्पण केवल एक औद्योगिक परियोजना का लोकार्पण नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प और विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने वाला ऐतिहासिक क्षण है।

इस परियोजना की परिकल्पना वर्षों पहले अवश्य हुई थी, किंतु विभिन्न कारणों से यह लंबे समय तक अपेक्षित गति प्राप्त नहीं कर सकी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने लंबित राष्ट्रीय परियोजनाओं को नई प्राथमिकता प्रदान की। वर्ष 2017 में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा परियोजना की संशोधित लागत एवं इक्विटी संरचना को स्वीकृति दी तथा हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम के रूप में एचआरआरएल को नई गति मिली। इसके पश्चात 16 जनवरी, 2018 को स्वयं प्रधानमंत्री ने इस परियोजना का पुनः शिलान्यास कर इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में शामिल किया। गत वर्ष 8 अप्रैल को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा संशोधित लागत को स्वीकृत प्रदान कर परियोजना को अंतिम चरण तक पहुंचाने का मार्ग भी प्रशस्त किया गया।

लगभग 79,459 करोड़ रूपए की लागत वाली यह परियोजना देश की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल परियोजना में से एक है। इसकी 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष रिफाइनिंग क्षमता तथा 2.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान करेगी। यह केवल राजस्थान की नहीं, बल्कि पूरे देश की रणनीतिक ऊर्जा क्षमता को सुदृढ़ करने वाली परियोजना है।

हाल ही में डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगने की अप्रत्याशित घटना से परियोजना की प्रगति कुछ समय के लिए प्रभावित अवश्य हुई, किंतु सरकार ने इसे चुनौती के रूप में स्वीकार किया। सभी संबंधित एजेंसियों, विशेषज्ञों और विभागों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित करते हुए युद्धस्तर पर मरम्मत एवं तकनीकी सुधार कार्य पूरे कराए गए।

(शेष पृष्ठ 20 पर)

2014–2026 (सशक्त–समृद्ध–सूरक्षित भारत)

भारत प्रगति पथ पर अग्रसर–12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के

–कैलाश मेघवाल, प्रदेश महामंत्री भाजपा

"विकास हमारे लिए 24 घण्टे, सातों दिन, 12 महीने और पूरे देश में चलने वाला मिशन है। हमारा यह भी प्रयास होता है कि जिसका शिलान्यास हम करते हैं उसका उद्घाटन भी हम ही करते हैं। –नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री"

लोक सेवा ही संकल्प (गरीब कल्याण–अंत्योदय ही लक्ष्य)

गरीबी उन्मूलन :–

- 25+ करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले (2014 के बाद)।
- 81+ करोड़ लोगों को निःशुल्क अनाज (PM गरीब कल्याण अन्न योजना)।
- 4+ करोड़ पक्के मकान–PM अवास योजना।
- 58+ करोड़ जन–धन खाते–बैंकिंग क्रांति।

स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाएं :–

- 12+ करोड़ शौचालय निर्मित–5 लाख गाँव खुले में शौच मुक्त।
- लगभग 16 करोड़ घरों को नल से जल–जल जीवन मिशन
- लगभग 11 करोड़ LPG कनैक्शन–PM उज्जवला योजना (धुआं मुक्त रसोई)।
- छोटे उद्यमी एवं वंचित वर्ग
- 57+ करोड़ गारंटी मुक्त मुद्रा लोन से मिल रहा स्वरोजगार।
- 74+लाख रेहड़ी–पटरी वालों को PM स्वनिधि लोन
- ₹15,000+ करोड़ Stand-Up India-SC/ST उद्यमियों को लोन।

अंत्योदय कल्याण (स्वस्थ भारत–समृद्ध किसान–सशक्त मध्यम वर्ग)

किसान कल्याण :–

- ₹4.3 लाख करोड़ PM-KISAN - किसानों के खाते में राशि सीधा ट्राँसफर।
- 90% सब्सिडी ₹266 / बैग यूरिया–किसानों को राहत
- 63% लाभार्थी PM फसल बीमा योजना SC/ST/OBC किसान।
- 71% वृद्धि खाद्यान्न उत्पादन – रिकॉर्ड 12,000+ लाख मीट्रिक टन
- श्रीअन्न (Millet) – वैश्विक पहचान, कृषि निर्यात में Top-10
- e-NAM डिजिटल मंच – बीज से बाजार तक किसान सशक्त
- कृषि इंफ्रा फंड – आधुनिक कृषि ढांचे का निर्माण

मध्यम वर्ग–नई उड़ान :–

- ₹12.75 लाख आयकर छूट सीमा (₹2 लाख से 6 गुना हुई)
- ₹2+ लाख प्रति व्यक्ति वार्षिक आय (₹86,000 से दोगुनी)
- 1 करोड़ PM सूर्य घर – रूफटॉप सोलर, मुफ्त बिजली का लक्ष्य
- 30 लाख PM विश्वकर्मा – पारम्परिक कारीगरों को कौशल–ऋण
- UPI लेनदेन – विश्व रिकॉर्ड, डिजिटल भुगान में भारत नम्बर–1

स्वास्थ्य–आयुष्मान भव :–

- 60+ करोड़ PM जन आरोग्य योजना – ₹5 लाख तक मुफ्त इलाज
- 3 गुना 8 से 23 हुई AIIMS की संख्या – मेडिकल शिक्षा सीटें बढ़ीं
- ₹436 में प्रतिवर्ष ₹2 लाख का बीमा सुरक्षा– PM जीवन ज्योति बीमा योजना
- 7.3+ करोड़ PM सुरक्षित मातृत्व– गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जाँच
- 5.4+ करोड़ मिशन इन्द्रधनुष – बच्चों का मुफ्त टीकाकरण
- सशक्तीकरण से सामर्थ्य निर्माण

GYAN - गरीब–युवा–अन्नदाता–नारी

नारी शक्ति :–

- 32+ करोड़ महिलाओं के जन–धन खाते
- 3+ करोड़ लखपति दीदी – 6 करोड़ का लक्ष्य 2030 तक 91+ लाख स्वयं सहायता समूह – 10+ करोड़ ग्रामीण

महिलाओं को लाभ

- 4.5 करोड़ PM सुकन्या समृद्धि खाते – बेटियों का सुरक्षित भविष्य
- 48% DPIIT मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में महिला निदेशक
- 105+ करोड़ सैनिटरी पैड मात्र ₹1 में – जन औषधि केन्द्र से मिले

महिला सशक्तीकरण – 12 वर्षों का बदलाव–

- 918–929 जन्म के समय लिंगानुपात (प्रति 1000)
- 68%–98% संस्थागत प्रसव
- 3,000–11,000+ सुरक्षा बलों में महिला अधिकारी
- 12–26 सप्ताह पेड मैटरनिटी लीव
- **युवा शक्ति :–**
- भारत दुनिया का सबसे युवा देश – नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू
- ₹33.5 लाख करोड़–120 बड़े स्टार्टअप्स का कुल मूल्य ₹ 1.60 लाख करोड़ – सेमीकंडक्टर मिशन निवेश
- SC/ST/OBC - वंचितों को वरीयता
- ₹15,000+ करोड़ जनजातीय कल्याण बजट – 2014–15 से 243% अधिक
- ₹79,000+ करोड़ धरती बाबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान
- 12+ लाख परिवारों तक PM-JANMAN से आवास–स्वास्थ्य–आजीविका
- **राष्ट्र निर्माण ही मिशन ई अर्थव्यवस्था–नया भारत–नया विश्वास**
- **इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति**
- मेट्रो सेवा 26 शहरों में – अभूतपूर्व शहरी विकास
- कुल 164 वंदे भारत से यात्रा हुई सुगम और तेज
- नया संसद भवन, भारत मंडपम, यशोभूमि – नए भारत के प्रतीक
- चेनाब, पंबन ब्रिज, अटल टनल जैसी सैकड़ों इंफ्रा परियाजनाओं से मिली प्रगति को रफ्तार
- **RRTS**, वंदे भारत ट्रेनों से विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी का निर्माण
- ₹2 लाख करोड़ से 6X बढ़कर इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च ₹12.2 लाख करोड़ हुआ
- 99.6% ब्रॉड गेज रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण हुआ
- 12 सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट को मंजूरी, सेमिकॉन इण्डिया कार्यक्रम से ₹1.64 लाख करोड़ का निवेश

आर्थिक महाशक्ति :–

- **₹**345+ लाख करोड़ **GDP-** वर्ष 2025–26 में भारत की अर्थव्यवस्था
- लगभग ₹67 लाख करोड़ विदेशी मुद्रा भण्डार – 11 माह का आयात कवर
- ₹27 लाख करोड़ 2024–25 में प्रत्यक्ष कर संग्रह
- ₹70+ लाख करोड़ FDI - 2014 से 2025 के बीच
- उत्पादन एवं रोजगार
- ₹20+ लाख करोड़ PLI योजना से बिक्री – मार्च 2026 तक
- 12+ लाख PLI योजना से रोजगार सृजित
- 163 गुना मोबाईल निर्यात में वृद्धि
- 38 देश कुल 9 FTA

राष्ट्र प्रथम ही मंत्र सशक्त–समृद्ध–सुरक्षित भारत विदेश नीति–नई पहचान :–

- G-20 अध्यक्षता 100% नेताओं की सहमति– दिल्ली घोषणा
- 39 नए दूतावास 219 मिशन – 2014–2026 में विस्तार
- 99% भारत-EU FTA-व्यापार मूल्य पर शुल्क रियायत
- 100: भारत–न्यूजीलैंड FTA - सभी टैय्रफ श्रेणी शुल्क मुक्त
- ₹70+ लाख करोड़ थ्क्प् . वैश्विक भरोसे का प्रमाण (2014–2025)
- ₹13+ लाख करोड़ विदेशी धनराशि (रेमिटेंस) – विश्व में सर्वाधिक
- 30+ करोड़ वैक्सीन मैत्री – 99 देशों को कोविड वैक्सीन की डोज
- **राष्ट्रीय सुरक्षा – आतंक पर जीरा टॉलरेंस**
- उरी, पुलवामा हमले के बाद करारा जवाब
- ऑपरेशन सिंदूर – आतंक के खिलाफ नई नीति
- रक्षा निर्यात ₹38,400 करोड़ – रिकॉर्ड स्तर पर

नक्सल मुक्त भारत – रेड कॉरिडोर अब ग्रीन ग्रोथ जोन

विरासत भी विकास भी सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गाथा– धरोहर संरक्षण :–

- 44 UNESCO विश्व धरोहर Asia-Pacific में भारत दूसरे स्थान पर

- अब 11 शास्त्रीय भाषा 2024 में पाँच नई भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा
- 668 कलाकृतियां स्वदेश वापस (2014 में केवल 13 थीं
- 12+ लाख पुरावशेष 11,000+ स्मारक डिजिटल रूप में संरक्षित

धार्मिक–सांस्कृतिक पुनर्जागरण :–

- अयोध्या–श्रीराम जन्मभूमि पर नव्य–भव्य–दिव्य राम मन्दिर
- काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल महालोक, केदारनाथ धमा – पुनर्निर्माण
- बुद्ध सर्किट एवं राम सर्किट – तीव्र विकास
- PRASHAD योजना – ₹1,700+ करोड़ से तीर्थ स्थलों का विकास

योग – भारत की सॉफ्ट पावर :–

- 177 देशों ने 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने को दिया समर्थन

गुलामी की मानसिकता से मुक्ति :–

- –राजपथ – अब कर्तव्य पथ। रेस कोर्स रोड – अब लोक कल्याण मार्ग
- मुगल गार्डन – अब अमृत उद्यान। सेंगोल – नई संसद में स्थापित
- 21 द्वीपों के नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर
- पोर्ट ब्लेयर – अब श्री विजयपुरम
- भारत माता का स्मारक सिक्का जारी
- 2035 तक औपनिवेशिक मानसिकता से पूर्ण मुक्ति लक्ष्य

तकनीक से जन–जन तक डिजिटल भारत इंज ऑफ लिविंग – पूर्वोत्तर

डिजिटल क्रांति :–

- 142 से 63वां Ease of Doing Business - वैश्विक रैंकिंग में सुधार
- 6+ करोड़ लोगों को PMGDISHA के तहत डिजिटल साक्षरता मिली
- ₹22+ लाख करोड़ GST संग्रह – एक राष्ट्र एक बाजार (2024–25)
- PRAGATI प्लेटफॉर्म–डिजिटल गवर्नेंस का गेमचेंजर
- Faceless Tax System - पारदर्शिता बढ़ी
- JAM Trinity (जनधन–आधार–मोबाईल) – ₹51+ लाख करोड़ DBT
- पूर्वोत्तर – अब दिल और दिल्ली के करीब
- 83 दौरे PM ने स्वयं पूर्वोत्तर का 83 से अधिक बार दौरा किया
- 'अष्टलक्ष्मी'–पूर्वोत्तर के 8 राज्यों में विकास की नई कहानी
- पूर्वोत्तर की अर्थव्यवस्था में 3X वृद्धि
- अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा और मिजोरम में 100% रेलवे विद्युतीकरण
- सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश को पहली बार हवाई सम्पर्क प्राप्त

सामाजिक सुरक्षा का विस्तार :–

- 31+ करोड़ ई–श्रम से जुड़े असंगठित कामगारों को बीमा–पेंशन
- 500 ब्लॉक आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम – पिछड़े ब्लॉकों में स्वास्थ्य–शिक्षा को बढ़ावा
- 1 करोड़ गिग कमगारों को आयुष्मान भारत में ₹5 लाख का स्वास्थ्य कवच
- 14.3 करोड़ पासपोर्ट (2014–2025)
- प्रतिवर्ष : 2014 में 91 लाख, अब 1.4 करोड़ पासपोर्ट हो रहे जारी
- 3.5+ लाख प्रवासी भारतीयों की मदद, Indian Community Welfare Fund से

विकसित भारत का संकल्प 12 वर्ष–12 बड़ी उपलब्धियाँ :–

- 25+ करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए
- 4+ करोड़ पक्के घर से सिर पर छत की गारंटी
- 60+करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ
- 3+करोड़ लखपति दीदी कर रहीं नारी सशक्तीकरण
- 57+करोड़ मुद्रा लोन से शुरू हुई स्वरोजगार की क्रांति
- 12+ करोड़ शौचालय से सुनिश्चित नारी सम्मान
- ₹79 लाख करोड़ रिकॉर्ड निर्यात
- सामाजिक सुरक्षा कवरेज तीन गुना से अधिक हुई
- रिकॉर्ड ₹38,400 करोड़ का रक्षा निर्यात
- RRTS, वंदे भारत जैसी विश्वस्तरीय ट्रेनों से कनेक्टिविटी को मिल रही रफ्तार
- UPI ट्रांजैक्शन 12,000 गुना, हुआ ₹314 लाख करोड़ का डिजिटल लेन–देन
- नक्सल मुक्त भारत–रेड कॉरिडोर अब ग्रीन ग्रोथ जोन
- अब विकसित भारत के संकल्प के साथ जन–जन के सशक्तीकरण की यह धारा अविरल बह रही है।

मोदी के बारह वर्ष : सेवा, सुशासन और विकास का नया भारत

राजस्थान में डबल इंजन सरकार की प्रगति

–राजेन्द्र राठौड़, पूर्व कैबिनेट मंत्री राज.

पीएम मोदी के 12 वर्ष केवल भारत के पुनर्निर्माण, आत्मविश्वास और वैश्विक प्रतिष्ठा की गाथा हैं। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन सरकार इन राष्ट्रीय उपलब्धियों को जन–जन तक पहुँचाते हुए विकास की नई इबारत लिख रही है। यह समन्वित विकास मॉडल न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए सुशासन और जनकल्याण का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, जनकल्याण और राष्ट्रीय गौरव के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की है। वर्ष 2014 में जब देश ने उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी थी, तब भारत अर्थिक सुस्ती, नीतिगत जड़ता, भ्रष्टाचार और जनविश्वास के संकट से जूझ रहा था। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आया है और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ अग्रसर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शासन को जनकेंद्रित बनाते हुए ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' के मंत्र को विकास की आधारशिला बनाया। गरीब कल्याण को शासन के केंद्र में स्थापित करने का परिणाम यह हुआ कि करोड़ों परिवार पहली बार पक्के घर, गैस कनेक्शन, शौचालय, बैंक खाते, बिजली और स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े। नीति आयोग के अनुसार वर्ष 2013–14 से 2022–23 के बीच लगभग 24.82 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले। यह उपलब्धि दुनिया के सबसे बड़े गरीबी उन्मूलन अभियानों में से एक मानी जा रही है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत देश में 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को खाद्यान्न सुरक्षा प्रदान की गई, जबकि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 60 करोड़ से अधिक लोगों को पाँच लाख तक की स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देशभर में सवा करोड़ से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं। विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अधिकांश आवास महिलाओं के नाम या संयुक्त स्वामित्व में स्वीकृत किए गए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने डिजिटल क्रांति का नया अध्याय लिखा है। आज भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बन चुका है। यूपीआई ने आर्थिक लेन–देन की तस्वीर बदल दी है और गाँव–गाँव तक डिजिटल समावेशन सुनिश्चित किया है।

युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की धुरी मानते हुए स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को गति दी गई। भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबादल और फार्मा क्षेत्र में विनियोग और निर्यात के नए कीर्तिमान स्थापित हुए है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प अब आर्थिक नीति का प्रमुख आधार बन चुका है।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी पिछले 12 वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, लखपति दीदी अभियान, मातृत्व सहायता योजनाओं और महिला स्वामित्व वाले आवासों ने महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। यही कारण है कि भारत की विकास यात्रा अब ''वीमेन लेड डेवलपमेंट'' के नए मॉडल की ओर बढ़ रही है। कृषि क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार, उन्नत बीजों की उपलब्धता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसी पहलों ने किसानों को नई शक्ति प्रदान की है। ग्रामीण भारत में सड़क, बिजली, इंटरनेट और बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार ने गाँवों की तस्वीर बदल दी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्च पर भी सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक तथा आतंकवाद के विरुद्ध सामरिक क्षमता का परिचय कराया है। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना, जीएसटी का क्रियान्वयन, वन रैंक वन पेंशन और न्यायिक सुधारों से जुड़े नए कानून ऐसे निर्णय है जिन्होंने शासन व्यवस्था को नई दिशा दी है। प्रदेश में लगभग 2 करोड़ 45 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा मिला है। 43 हजार से अधिक गाँव ओडीएफ प्लस घोषित हो चुके हैं।

जनधन योजना के अंतर्गत 3 करोड़ 83 लाख से अधिक बैंक खाते खोले गये हैं तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क नेटवर्क 53 हजार किलोमीटर से बढ़कर 86 हजार किलोमीटर से अधिक हो गया हैं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ लेने वालों की संख्या 57 लाख से बढ़कर 89 लाख से अधिक हो गई है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय लगभग 69 हजार रूपये से बढ़कर 2 लाख रुपये से अधिक पहुँच चुकी है। इन उपलब्धियों को नई गति देने का कार्य मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की डबल इंजन सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा ने सुशासन, पारदर्शिता, निवेशसंवर्धन, महिला सुरक्षा, जल प्रबन्धन और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए विकास की नई कार्य संस्कृति स्थापित की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जनकल्याण शिविर, ग्राम विकास यात्राएं, ग्राम विकास चौपाल, संध्या चौपाल तथा संध्या आरती जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार सीधे जनता से संवाद स्थापित कर रही है। इससे योजनाओं की पहुँच और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों में वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री मोदी की ''एक पेड़ माँ के नाम'' पहल से प्रेरित ''हरियालो राजस्थान'' अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। केन्द्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने राजस्थान को विकसित भारत के लक्ष्य का अग्रणी सहभागी बना दिया है।

एक राष्ट्र के दो झंडे स्वीकार नहीं थे : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

बंगाल ने कितने ही क्रातिकारियों को जन्म दिया है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी इसी पावन बंगभूमि से पैदा हुए थे। 6 जुलाई, 1901 को उनका जन्म एक संभ्रांत परिवार में हुआ था। उनके पिता आशुतोष बाबू अपने जमाने ख्यात शिक्षाविद् थे। अभी केवल जीवन के आधे ही क्षण व्यतीत हो पाए थे कि हमारी भारतीय संस्कृति के नक्षत्र अखिल भारतीय जनसंघ के संस्थापक तथा राजनीति व शिक्षा के क्षेत्र में सुविख्यात डॉ. मुखर्जी की 23 जून, 1953 को मृत्यु की घोषणा की गई। यह क्या वास्तविक मौत थी या कोई साजिश? बरसों बाद भी ये राज, राज ही रहा। डॉ. मुखर्जी ने अपनी प्रतिभा से समाज को चमत्कृत कर दिया था। महानता के सभी गुण उन्हें विरासत में मिले थे।

वे 24 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय सीनेट के सदस्य बने। उनका ध्यान गणित की ओर विशेष था। इसके अध्ययन के लिए वे विदेश गए तथा वहां पर लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी ने उनको सम्मानित सदस्य बनाया। वहां से लौटने के बाद वे वकालत तथा विश्वविद्यालय की सेवा में कार्यरत हो गए।

उन्होंने कर्मक्षेत्र के रूप में 1939 से राजनीति में भाग लिया और आजीवन इसी में लगे रहे। उन्होंने गांधीजी व कांग्रेस की नीति का विरोध किया, जिससे हिन्दुओं को हानि उठानी पड़ी थी। एक बार उन्होंने कहा, 'वह दिन दूर नहीं, जब गांधीजी की अहिंसावादी नीति के अंधानुसरण के फलस्वरूप समूचा बंगाल पाकिस्तान का अधिकार क्षेत्र बन जाएगा।' उन्होंने नेहरू और महात्मा गांधी की तुष्टिकरण की नीति का सदैव खुलकर विरोध किया। यही कारण था कि उनको संकुचित सांप्रदायिक विचार का द्योतक समझा जाने लगा।

अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल में एक गैर–कांग्रेसी मंत्री के रूप में उन्होंने वित्त मंत्रालय का काम संभाला। उन्होंने चितरंजन में रेल इंजन का कारखाना, विशाखापट्टनम में जहाज बनाने का कारखाना एवं बिहार में खाद का कारखाने स्थापित करवाए। उनके सहयोग से ही हैदराबाद निजाम को भारत में विलीन होना पड़ा। 1950 में भारत की दशा दयनीय थी। इससे उनके मन को गहरा आघात लगा। उनसे यह देखा न गया और भारत सरकार की अहिंसावादी नीति के फलस्वरूप मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देकर संसद में विरोधी पक्ष की भूमिका का निर्वाह करने लगे। **एक ही देश में दो झंडे और दो निशान भी आपको स्वीकार नहीं थे।** अतः कश्मीर का भारत में विलय के लिए आपने प्रयत्न प्रारंभ कर दिए। इसके लिए आपने जम्मू की प्रजा परिषद पार्टी के साथ मिलकर आंदोलन छेड़ दिया। अटलबिहारी वाजपेयी (तत्कालीन विदेश मंत्री), वैद्य गुरुदत्त, डॉ. बर्मन और टेकचंद आदि को लेकर आपने 8 मई 1953 को जम्मू के लिए कुच किया। सीमा प्रवेश के बाद उनको जम्मू–काश्मीर सरकार द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। 40 दिन तक जेल में बंद रहे और 23 जून 1953 को जेल में उनकी रहस्यमय ढंग से मृत्यु हो गई।

मोदी सरकार के 12 साल : दशक में शतक की यात्रा

– अनुराग ठाकुर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री

26 मई 2014 के दिन जब नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देशवासियों के मन में आशा और उत्साह का एक अद्भूत संचार उत्पन्न हुआ था। एक राष्ट्र के रूप में भारत उस दशक से बाहर निकल रहा था जिसे भारत का एक खोया हुआ दशक कहा जाता है जिसकी पहचान थी पॉलिसी पैरालिसिस, भ्रष्टाचार और रूके हुए सुधार। तब लोगों के बीच में यह धारणा घर कर गई कि भारत में पारदर्शी और स्वच्छ प्रशासन मात्र एक दिवास्वप्न बन कर रह जाएगा और शासन और न्याय शायद ही कभी आम नागरिकों को हासिल हो पाएगा।

परिवर्तन का जनादेश : लेकिन 2014 का चुनाव राष्ट्र पर लगे उस ग्रहण का अंत साबित हुआ और नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत में रिफार्म, परफॉर्म और ट्राँसफॉर्म की शुरूआत हुई जिसने भारत की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और कूटनीतिक दिशा और दशा दोनों ही बदल दीं। 2014 से लेकर 2024 के तीनों चुनावों में देश की जनता ने जिस प्रकार से मोदी जी को ऐतिहासिक जनादेश देकर उनके नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है यह अपने आप में एक प्रमाण है कि देश को एक ऐसे सबल और दूरदर्शी नेतृत्व की तलाश थी जो सबका साथ सबका विकास और अन्त्योदय कल्याण की भावना के साथ भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बना सके।

नरेन्द्र मोदी सरकार के इन 12 सालों की उपलब्धि के विषय में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि देश ने इस एक दशक में विकास के एक शतक की यात्रा पूरी की है और इस यात्रा के और भी बहुत सारे अहम पड़ाव आने शेष है।

इन उपलब्धियों को केवल आँकड़ों के रूप में नहीं देखा जा सकता। ये उन परिवारों की बदली हुई दिनचार्य में दिखाई देती है जिनके घरों में पहली बार बिजली पहुँची, जिनकी रसोई धुएं से मुक्त हुई, जिनके आँगन तक स्वच्छ जल पहुँचा और जिनके सिर पर पहली बार पक्की छत आई।

भारत बना डिजिटल क्राँति का महादूत : स्वतंत्र भारत के इतिहास में परिवर्तन के ऐसे कम उदाहरण देखने को मिले हैं जिनका असर आम जनजीवन पर काफी त्वरित और प्रभावशाली ढंग से पड़ा हो। 2014 के बाद भारत में आई डिजिटल क्राँति इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है। आज भारत डिजिटल पेमेंट का सबसे बड़ा देश बन चुका है जहाँ हरेक महीने 18 अरब से अधिक डिजिटल लेन–देन हो रहे हैं।

इन बारह वर्षों में भारत में इन्टरनेट उपयोगकर्त्ताओं की संख्या में 3.8 गुना विस्तार हुआ है। आज भारत का ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क 2 लाख से अधिक गाँवों तक पहुँच चुका है।

इन 12 सालों में मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अभूतपूर्व छलांग लगाई गई है। 2014 में जहाँ देश में प्रतिवर्ष लगभग 6 करोड़ मोबाइल फोन निर्मित होते थे, वहीं आज यह संख्या बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो गई है।

बढ़ता इन्फ्रास्ट्रक्चर : विकसित भारत की आधारशिला : पिछले 12 वर्षों में भारत की अवसंरचना विकास यात्रा ने एक नई गति प्राप्त की है। 2014 में देश के पास लगभग 1,000 किलोमीटर एक्सप्रेस–वे थे, जबकि आज यह नेटवर्क 6,700 किलोमीटर से अधिक तक फैल चुका है।

नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में भी परिवर्तन उतना ही उल्लेखनीय है। देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 160 से अधिक हो गई है। शहरी भारत की बदलती तस्वीर में मेट्रो रेल नेटवर्क की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रही है। 2014 में जहाँ देश का मेट्रो नेटवर्क लगभग 250 किलोमीटर तक सीमित था, वहीं आज यह देश के 25 शहरों में फैलते हुए 1100 किलोमीटर से अधिक तक विस्तार पा चुका है।

आत्मनिर्भर भारत की सफलता का सबसे स्पष्ट प्रतिबिम्ब रक्षा क्षेत्र में दिखाई देता है।

2024 में मिला लगातार तीसरा जनादेश केवल एक चुनावी परिणाम नहीं था। यह उस विकास यात्रा पर देश की मुहर थी जिसकी शुरूआत 2014 में हुई और जिसे 2019 में और अधिक विस्तार मिला।

देवभूमि हिमाचल : विकास की नई ऊँचाईयाँ : हिमाचल प्रदेश का निवासी और जनप्रतिनिधि होने के नाते मुझे हिमाचल में यह परिवर्तन और भी निकट से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। पिछले 12 वर्षों में देवभूमि हिमाचल ने विकास की जिस यात्रा को देखा है, वह आँकड़ों की कहानी नहीं है। यह उन सपनों और सम्भावनाओं के साकार होने की कहानी है।

अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश में हुए परिवर्तन का शायद

सबसे सशक्त प्रतीक है। 9 किलोमीटर से अधिक लम्बी यह विश्व की सबसे लम्बी राजमार्ग सुरंग केवल एक इंजीनियरिंग उपलब्धि नहीं, बल्कि लाहौल–स्पीति के लोगों के जीवन में आया एक ऐतिहासिक बदलाव है।

विकसित भारत 2047 की ओर : 12 वर्ष किसी राष्ट्र की यात्रा में बहुत लम्बा समय नहीं होते, लेकिन इतने अवश्य होते हैं कि परिवर्तन दिखाई देने लगें और उपलब्धियाँ स्वयं अपनी कहानी कहने लगे। 2026 का भारत 2014 के भारत से कई मायनों में अलग है। यह अधिक आत्मविश्वासी, अधिक सक्षम और अपनी सम्भावनाओं को लेकर अधिक आश्वस्त राष्ट्र है।

किसी सरकार का वास्तविक मूल्यांकन उसके वादों से नहीं, बल्कि उन बदलावों से होता है जो लोगों के जीवन में दिखाई देते हैं। पिछले एक दशक में भारत ने जो परिवर्तन देखे हैं, वे सड़कों, रेलमार्गों, घरों, स्कूलों, अस्पतालों और करोड़ों नागरिकों के बेहतर होते जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। चुनौतियाँ कल भी थीं और आज भी हैं। परन्तु आज एक बहुत फर्क आया है कि एक राष्ट्र के रूप में हमने अपने सुषुप्त ऊर्जा को चुनौतियों से लड़ने और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागृत कर लिया है। हरेक राष्ट्र के इतिहास में वह क्षण आता है जब वह समग्रता से खड़ा होकर अपने विकास की गति को कई गुना बढ़ा लेता है। यह उस देश के लिए ''अमृत काल'' होता है। भारत का वह क्षण आ चुका है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अस्थियों के कलश को वाजपेयी जयपुर लाए थे

–जितेन्द्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कश्मीर में मृत्यु के बाद उनकी अस्थियों के कलश को अटल बिहारी वाजपेयी जयपुर लाए थे। अस्थि कलश को लेकर वाजपेयी जब रेलवे स्टेशन पर उत्तरे, तब वहां मौजूद लोगों ने 'श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहे' के नारे लगाए। स्टेशन से जुलूस रवाना हुआ, तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं जनसंघ से जुड़े कार्यकर्ता व अन्य लोग नारे लगाते हुए अस्थि कलश के पीछे चल रहे थे।

पूर्व विधायक बीरू सिंह राठौड़ के मुताबिक, अस्थि कलश का जुलूस किशनपोल से त्रिपोलिया बाजार होता हुआ बड़ी चौपड़ पर पहुंचा। रास्ते में नागरिकों ने कलश पर पुष्पांजलि अर्पित कर डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी। कलश को जनसंघ के धांभाईजी की हवेली स्थित प्रदेश कार्यालय में रखा गया। श्रद्धांजलि सभा में दांतारामगढ़ से जनसंघ के विधायक भैरों सिंह शेखावत ने शोक प्रस्ताव पढ़ा। मंच पर अटल बिहारी वाजपेयी के साथ चित्तौड़गढ़ विधायक जसवंत सिंह झाला के अलावा जनसंघ के राष्ट्रीय नेता सुंदर सिंह भंडारी आदि थे। शोक सभा में प्रदेश जनसंघ के अध्यक्ष रहे चिरंजीलाल मिश्र, रविदत्त शर्मा और मदन सिंह दांता भी उपस्थित रहे। हिंदू विचारधारा से जुड़े जयपुर के अनेक नागरिक वहां मौजूद थे। वाजपेयी एवं जनसंघ के स्थानीय नेता व कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी के अस्थि कलश को पुष्कर सरोवर में विसर्जित करने ले गए। श्यामा प्रसाद मुखर्जी सन् 1945 तक हिंदू महासभा के अध्यक्ष थे। सरदार पटेल के आग्रह पर वे केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे। 21 अक्टूबर 1951 को दिल्ली में आयोजित बैठक में करीब तीन सौ प्रतिनिधियों ने डॉ. मुखर्जी को भारतीय जनसंघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया था। डॉ. मुखर्जी जनसंघ के अध्यक्ष बने एवं अटल बिहारी वाजपेयी उनके निजी सचिव बनाए गए। 13–14 अक्टूबर को जयपुर में राजस्थान शाखा का पहला अधिवेशन हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रजामंडल के नेता पंडित चिरंजीलाल ने की और इसमें प्रोफेसर बलराज मधोक भी उपस्थित थे। दिल्ली में जनसंघ की स्थापना के समय अटल बिहारी वाजपेयी, दीनदयाल उपाध्याय, प्रो. बलराज मधोक आदि उपस्थित थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू–कश्मीर को भारत का अभिन्नू अंग बनाने के लिए 23 जून 1953 को श्रीनगर की जेल में अपने प्राणों का सर्वोच्चच बलिदान किया था। सन् 1980 में जनसंघ का 'भारतीय जनता पार्टी के रूप में पुनर्गठन हुआ था।

संकल्प से सिद्धि
बजट घोषणाओं एवं संकल्प पत्र के बिन्दुओं की क्रियान्विति
(दिनांक 02.02.2026 तक की स्थिति)

क्र.	विवरण	कुल बिन्दु / घोषणाएं	क्रियान्विति पूर्ण, प्रगतिरत व स्वीकृति जारी
1.	संकल्प पत्र 2023	392	282
2.	कुल बजट घोषणाएं	2718	2434
	(1) बजट घोषणाएं 2024–25	1277	1188
	(2) बजट घोषणाएं 2025–26	1441	1246

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बने भागीरथ

जय–जय राजस्थान : शेखावाटी के 3 जिलो ंको मिलेगा भरपूर पानी

यमुना जल समझौता : राजस्थान की जल सुरक्षा का नया अध्याय

32 साल का इंतजार खत्म, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में यमुना जल परियोजना का हुआ एमओए (34,102 करोड़ की महत्वाकांक्षी परियोजना)

केन्द्रीय मंत्री पाटिल, सीएम भजनलाल व हरियाणा के मुख्यमंत्री ने किए हस्ताक्षर। 34,102 करोड़ रूपए की इस परियोजना से राजस्थान की जल सुरक्षा होगी सुदृढ़।

आखिरकार लम्बे इंतजार के बाद राजस्थान को यमुना का जल मिलने का रास्ता साफ हो गया। 29 जून को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में यमुना जल परियोजना को लेकर राजस्थान और हरियाणा के बीच मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) किया गया। इस पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हस्ताक्षर किए। इससे राजस्थान को अपने हिस्से का पानी मिलेगा।

करीब 34,102 करोड़ रूपए की इस परियोजना से राजस्थान की जल सुरक्षा सुदृढ़ होगी। इसके अन्तर्गत राजस्थान के हिस्से का पानी हथिनीकुण्ड बैराज से लगभग 295.5 किलोमीटर लम्बी भूमिगत पाइपलाइन प्रणाली के माध्यम से चूरू जिले के हंसियावास (चूरू) जलाशय तक पहुँचाया जाएगा। परियोजना के अन्तर्गत तीन भूमिगत पाइपलाइनें, निरीक्षण सड़क, कृत्रिम जलाशय तथा आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी। राजस्थान सरकार द्वारा परियोजना की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर केन्द्रीय जल आयोग को भेजी जा चुकी है। वहीं, हरियाणा द्वारा पाइपलाइन अलाइनमेंट को सैद्धांतिक स्वीकृति भी दी जा चुकी है। परियोजना के निर्माण एवं संचालन के लिए राजस्थान हरियाणा यमुना वाटर एसपीवी का गठन किया जाएगा।

अंतरराज्यीय जल संसाधन प्रबंधन के लिए आदर्श मॉडल : पाटिल

जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जल सुरक्षा, जल संरक्षण और राज्यों के बीच समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में राजस्थान और हरियाणा के बीच हुआ यमुना जल समझौता ना केवल आमजन को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा, बल्कि भविष्य में अंतरराज्यीय जल संसाधन प्रबंधन के लिए भी एक आदर्श मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में ऊपरी यमुना बेसिन राज्यों के मध्य समझौते के तहत रजास्थान को ताजेवाला हैड पर 1917 क्यूसेक जल आवंटित किया गया था। किन्तु प्रवाह प्रणाली के अभाव में 32 वर्षो तक राजस्थान अपने हिस्से के जल का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाया।

अमित शाह बोले–तीन दशक पुरानी समस्या का हुआ समाधान

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि यमुना जल समझौते से हरियाणा और राजस्थान के लोगों की पानी से जुड़ी लगभग 3 दशक पुरानी समस्या का आज समाधान हो गया है। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से विशेषकर राजस्थान में पीने के पानी की समस्या के निवारण में बहुत सहायता मिलेगी, जिससे धरती की प्यास बुझेगी और कंठों की भी। शाह ने कहा कि समझौते में वित्तीय जिम्मेदार, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकॉल और रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है। इस वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण समझौते में बुनियादी ढांचे का संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता के उपायों और विवाद समाधान की प्रक्रिया को भी बहुत बढ़िया तरीके से समाहित किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, राजस्थान और विशेषकर केन्द्रीय जल आयोग ने इस समझौते का जो प्रारूप बनाया है वह आने वाले कई दशकों तक विवादहीन समझौते के रूप में स्थापित रहेगा।

पीएम मोदी की संवदेनशीलता के कारण जल समझौता मूर्त रूप ले सका : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मानते रहे हैं कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और भविष्य की गारंटी है। आज उन्हीं के दूरदर्शी नेतृत्व एवं संवेदनशील सोच के कारण दशकों से लम्बित यमुना

जल समझौता मूर्त रूप ले सका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' का मंत्र इस ऐतिहासिक उपलब्धि का आधार है। इससे पहले भी वर्ष 2003 में नर्मदा परियोजना के जरिए राजस्थान के बाड़मेर और जालौर तक पानी पहुँचाने में भी प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। जिसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने भी उनका आभार जताया था।

वर्षा का पानी राजस्थान तक जाएगा : नायब सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्षा के पानी को पाइपलाइन के माध्यम से हथिनीकुण्ड बैराज से राजस्थान तक ले जाया जाएगा, जिसका पेयजल के रूप में उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि बहुत लम्बे समय से यह लम्बित परियोजना अब साकार होने जा रही है। इसमें हरियाणा पूर्ण रूप से सहयोग करेगा, क्योंकि हर व्यक्ति तक पानी की पहुँच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान राजस्थान एवं हरियाणा के मुख्य सचिव सहित सम्बन्धित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

मदन राठौड़ ने कहा–यह ऐतिहासिक समझौता शेखावाटी के लिए जल सुरक्षा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने यमुना जल समझौते पर कहा है कि दशकों का इंतजार समाप्त हो गया। ऐतिहासिक समझौता शेखावाटी क्षेत्र के लिए जल सुरक्षा, विकास और समृद्धि के नए युग का शुभारम्भ है। इससे लाखों लोगों को पेयजल की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

अयोध्या चंदा गबन मामले में संघ की प्रतिक्रिया

दोषियों को मिले कड़ी सजा : होसबाले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना ने राम भक्तों और पूरे समाज की आस्था को 'गहरी ठेस' पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि गबन की जांच कर रही एसआईटी को सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषियों को कठोर सजा मिले। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन पर संघ की ओर से यह प्रतिक्रिया है।

होसबाले ने एक्स पर कहा कि यह घटना केवल गबन का मामला नहीं है बल्कि इससे करोड़ों राम भक्तों की आस्था और श्रद्धा को गहरा आघात पहुंचा है। होसबोले ने मंदिर प्रबंधन और व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंन कहा कि इस घटना से हम सभी बहुत दुखी और आक्रोशित है। होसबोले ने कहा कि आरएसएस समेत पूरे हिन्दू समाज की श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से स्वाभाविक अपेक्षा है कि वह इस अत्यंत निंदनीय घटना को असाधारण मामला मानते हुए मंदिर के प्रबंधन और संचालन में मौजूद सभी कर्मियों को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए।

फायदा उठाने की फिराक में राष्ट्रविराधी ताकतें

दत्तात्रेय ने दावा किया कि हिंदू विरोधी और राष्ट्रविरोधी ताकतें इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का फायदा उठाकर हिंदू धर्म व समाज को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पूरे हिंदू समाज से अपील की है कि इसे कठिन समय में धैर्य और संयम बनाए रखें, ताकि इस तरह की सभी साजिशों को विफल किया जा सके।

मंदिर ट्रस्ट के 5 साल के खातों का दोबारा ऑडिट करेगी एसआईटी

राम मंदिर में दान के कथित गबन की जांच कर रही एसआईटी श्री राम जन्म क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले पाचं वर्षों के खातों का फिर से ऑडिट करेगी। प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का संकेत मिला है। ऑडिट में निर्माण.. संबंधी व्यय के साथ दान के रूप में प्राप्त प्राप्त आभूषण और सोने तथा चांदी की अन्य वस्तुओं को भी शामिल किया जाएगा।

प्रारंभिक जांच के दौरान सामने आए गबन के सबूतों के बाद एसआईटी पूरे पांच साल के ट्रस्ट के वित्तीय रिकॉर्ड की विस्तृत जांच करेगी। एक और घटनाक्रम में अयोध्या पुलिस ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेने के बाद उससे पूछताछ की। इस बीच बागेश्वर धाम के प्रमुख आचार्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने जांच पर भरोसा जताया और कहा कि कथित गबन के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी।

प्रगति पथ पर राजस्थान – नए संकल्प–नई उड़ान

–प्रोफेसर (डॉ.) बीरूसिंह राठौड़

पेयजल :–

- कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में 17,438 भूजल रिचार्ज/जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण।
- अमृत सरोवरों के निर्माण उपरांत 1,317 स्थानों पर भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई।
- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत लगभग 15.11 लाख ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध।
- 4,914 नये नलकूप व 8,070 नये हैण्डपम्प चालू एवं 5.76 लाख खराब हैण्डपम्पों को पुनः चालू किया।

जल संसाधन :–

- राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती–कालीसधि–चंबल परियोजना) से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में लगभग 4 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई और लगभग 3 करोड़ आबादी को पेयजल।
- हथिनी कुण्ड बैराज (ताजेवाला हैड, हरियाणा) से आवंटित यमुना जल से चूरू, झुंझुनू एवं सीकर जिलों को पेयजल हेतु एमओयू। हरियाणा व राजस्थान की संयुक्त टास्क फोर्स द्वारा भूमिगत पाईप लाइन हेतु सर्वे कार्य पूर्ण। राजस्थान द्वारा डीपीआर का कार्य पूर्ण। परियोजना की डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत की जा चुकी है।
- विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं (इंदिरा गांधी नहर परियोजना सहित) पर 12,979 करोड़ रूपये व्यय कर 1.39 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

शहरी विकास :–

- आवासन मण्डल द्वारा 26 आवासीय योजनाओं में विभिन्न श्रेणियों में लगभग 4,369 आवासों/फ्लैटों की नई पंजीकरण योजनाएं प्रारम्भ की गई।
- आवासन मण्डल द्वारा 5,713 आवासों का निर्माण प्रारम्भ, 5,033 आवास पूर्ण तथा 5,171 आवासों का आवंटन एवं 6,595 आवासों का कब्जा सुपुर्द।
- शहरी क्षेत्रों के सुनियोजित एकीकृत विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से नई टाउनशिप नीति–2024 लागू की गई।
- जयपुर मेट्रो फेज–2 (प्रहलादपुरा–सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र–हल्दीघाटी मार्ग – एयरपोर्ट – अम्बाबाड़ी – विद्याधर नगर–टोडी मोड़) 41 किमी (अनुमानित परियोजना लागत रूपये 13,037.66 करोड़) की परियोजना को केन्द्रीय केबिनेट द्वारा मंजूरी।

सड़क :–

- सड़कों के विकास पर 33,195 करोड़ रूपये व्यय कर 48,748 किमी सड़कों का निर्माण, 8.695 करोड़ रूपये व्यय कर 17,934 किमी नवीन सड़कों का निर्माण।
- 1,756 गॉवों को डामर सड़कों से जोड़ा गया। साथ ही 14 बसावटों को प्रधानमंत्री जनमन योजना में जोड़ा गया।
- ग्रामीण सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करने हेतु 4,477 करोड़ रूपये व्यय कर 9,749 किमी लम्बाई में मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण किया गया।
- 17 आरयूबी एवं 12 आरओबी के निर्माण कार्य पूर्ण। 11 आरयूबी तथा 33 आरओबी के निर्माण कार्य प्रगति पर है।

युवा विकास एवं कल्याण :–

- प्रदेश में अब तक 8 रोजगार मेलों का आयोजन कर 1. 25 लाख से अधिक पदों पर नियुक्तियॉं। 1.45 लाख पदों पर भर्तियॉं प्रक्रियाधीन।
- 3.57 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर लाभान्वित किया गया।
- केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के संयुक्त तत्वाधान में 5वें खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का भव्य आयोजन, जिसमें 07 शहर, 12 दिन, 222 यूनिवर्सिटी, 23 पदक खेलों में 7,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में 273 करोड़ रूपये व्यय कर 40,803 युवा लाभान्वित।

औद्योगिक विकास :–

- राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट–2024 में 35 लाख करोड़ रूपये के एमओयू।
- पीएम विश्वकर्मा योजना दस्तकारों को 2 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान, 2.19 लाख को प्रशिक्षण तथा 60,509 को ऋण उपलब्ध कराया गया।
- राजस्थान सेमीकण्डक्टर पॉलिसी–2026 एवं राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस पॉलिसी–2026 जारी।

पर्यटन, कला एवं संस्कृति :–

- प्रदेश में पर्यटन विकास को गति देने के उद्देश्य से नवीन राजस्थान पर्यटन नीति,2025 दिनांक 7 दिसम्बर, 2025 को लागू की गई।
- वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजनान्तर्गत 92,725 वरिष्ठ नागरिकों को रेल मार्ग द्वारा एवं 11,990 वरिष्ठ नागरिकों को हवाई यात्रा कुल 1.04 लाख वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा करवाई गई।

महिला एवं बाल विकास :–

• लाडो प्रोत्साहन योजना में 1 लाख रूपये को बढ़ाकर 1.50 लाख रूपये किया गया।

• 52 वन स्टॉप सेंअर (सखी केन्द्रों) एवं महिला हेल्प लाईन (181) के माध्यम से क्रमशः 21,490 एवं 22,155 प्रकरणों में महिलाओं को आवश्यक सहायता प्रदत्त।

• अप्रैल, 2026 में पोषण पखवाड़ा के तहत राज्य स्तर पर 45,37,229 गतिविधियॉ आयोजित की गई, जिसमें राजस्थान ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

• राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजनान्तर्गत 12.28 लाख गर्भवती महिलाओं को 584 करोड़ रूपये प्रदान किए गए।

ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज :–

• लखपति दीदी योजनान्तर्गत 21.15 लाख महिलाओं प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री लखपति दीदी ऋण योजना में देय ऋण सीमा 50 हजार रूपये से बढ़ाकर 1.50 लाख रूपये किया गया। 54,182 सदस्यों को 379 करोड़ रूपये के ऋण वितरित।

• 24.92 लाख से अधिक परिवारों को पशुपालन व कृषि गतिविधियों एवं 6.42 लाख परिवारों को एग्री न्यूट्री गार्डन गतिविधियों से लाभान्वित किया गया।

• मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0 के प्रथम चरण में 2,993 करोड़ रूपये के 1.33 लाख कार्य प्रारम्भ कर 2,808 करोड़ रूपये के 1.25 लाख कार्य पूर्ण एवं द्वितीय चरण में 1,170 करोड़ रूपये के 48,966 कार्य स्वीकृत। 600 करोड़ रूपये के 26,379 कार्य प्रारम्भ कर 324 करोड़ रूपये के 15,254 कार्य पूर्ण।

• स्वामित्व योजना में 8,084 गॉवों में ड्रोन सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण कर 13.89 लाख स्वामित्व कार्ड जारी।

• 503 ग्राम पंचायत भवनों एवं 117 अम्बेडकर भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण।

• श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना (ग्रामीण) में 810 रसोईयों के माध्यम से लगभग 6.04 करोड़ लाभार्थियों को भोजन की थालियां परोसी जा चुकी है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति :–

• रसोई गैस सिलेण्डर योजना में समस्त छथै। पात्र परिवारों को भी शामिल किया गया। 5.87 करोड़ गैस सिलेण्डर रिफिलिंग कर 1,128 करोड़ रूपये की सब्सिडी लाभार्थियों को दी गई।

• राजस्थान कृषक समर्थन योजना के अन्तर्गत गेंहू के समर्थन मूल्य के ऊपर 150 रूपये का बोनस। वर्ष 2026–27 में 2.92 लाख किसानों से 24.64 लाख मैट्रिक टन गेंहूॅ की खरीद कर 370 करोड़ रूपये बोनस दिया गया

शिक्षा :–

• काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी एवं देवनारायण स्कूटी योजना के अन्तर्गत 45,596 स्कूटियों एवं 13.85 लाख साइकिलों का वितरण।

• 212 नए राजकीय महाविद्यालयों के भवनों का निर्माण पूर्ण।

• बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत 3.16 लाख बालिकाओं को 158 करोड़ रूपये वितरित।

• सत्र 2024–25 एवं 2025–26 में 8.12 करोड़ पाठ्यपुस्तकें निःशुल्क तथा 88,724 मेधावी विद्यार्थियों को टेबलेट मय इन्टरनेट कनेक्शन वितरित किए गए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य :–

• मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना में 4,401 करोड़ रूपये व्यय कर 46 करोड़ रोगियों को लाभान्वित किया गया।

• मुख्यमंत्री निःशुल्क जॉच योजना के अन्तर्गत 1,175 करोड़ रूपये व्यय कर 41.26 करोड़ जांये कर 11.23 करोड़ मरीजों को लाभान्वित किया गया।

• मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (ड।।) योजना का दायरा बढ़ाते हुऐ 132 नवीन पैकेज जोड़े तथा 41 लाख लाभार्थियों को 8,589 करोड़ रूपये की कैशलैस सुविधा उपलब्ध कराई गई।

• अधिकतम औषधियां, सर्जिकल्स एवं सूचर्स उपलब्ध करवाये जाने में राजस्थान प्रथम स्थान पर।

वन एवं पर्यावरण :–

• ''मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान'' के तहत वर्ष 2024–25 में 80 हजार हेक्टेयर वन भूमि पर 7.22 करोड़ से अधिक पौद्यारोपण किया।

• भारत सरकार के ''एक पेड़ मॉ के नाम'' अभियान के तहत वर्ष 2025–26 में आवंटित लक्ष्य के अनुसार राजस्थान प्रथम स्थान पर रहा।

वर्ष 2025–26 में ''हरियालों राजस्थान'' के तहत 11.74 करोड़ पौधारोपण किया गया।

कृषि एवं पशुपालन :–

• मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना–प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अतिरिक्त राज्य मद से प्रतिवर्ष 3 हजार रूपये की सहायता। कृषकों को 2776 करोड़ रूपये हस्तान्तरित।

• मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना – 20.95 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा।

• 6.06 लाख पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड।

• प्रधानमंत्री फलस बीमा योजनान्तर्गत 9,099 करोड़ रूपये के बीमा क्लेम वितरित किए गए। खरीफ 2025 में 2. 19 करोड़ (26 प्रतिशत) बीमा पॉलिसियां सृजित की गई,

जो देश में सर्वाधिक हैं।

• निःशुल्क पशु चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु 1962 मोबाइल बेटेरिनरी सेवा प्रारम्भ। 536 मोबाइल वाहनों द्वारा 63.79 लाख पशुओं का उपचार कर 17.29 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया।

सामाजिक सुरक्षा :–

• 75 वर्ष से कम आयु के सभी पेंशनर्स को देय पेंशन वृद्धि कर वर्ष 2026–27 से 1,450 रूपये प्रतिमाह किए जाने का निर्णय लिया गया।

• पालनहार योजना में 1.57 लाख नये पालनहारों को जोड़ा।

• सामाजिक सुरक्षा पेंशन पोर्टल के माध्यम से पेंशन योजनाओं के आवेदन प्रस्तुत करने से लेकर प्रति माह भुगतान करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया पेपरलेस की गई।

ऊर्जा :–

• 400 केवी के 2 जीएसएस, 220 केवी के 7 जीएसएस तथा 132 केवी के 51 जीएसएस सहित कुल 60 जीएसएस स्थापित किए गए।

• विद्युत उत्पादन क्षमता में 9,883 मेगावाट क्षमता की वृद्धि हो कर राजस्थान डिकॉम्स की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 33,978 मेगावाट हो गई है।

• किसानों को बिजली के बिलों में 57,489 करोड़ रूपये का अनुदान दिया गया।

• 2.26 लाख से अधिक कृषि विद्युत कनेक्शन तथा 11. 71 लाख से अधिक घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए गए।

• राजस्थान सौर ऊर्जा क्षमता में प्रथम एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता में देश में द्वितीय स्थान पर है।

• निःशुल्क बिजली को 100 यूनिट से बढ़ाकर 150 यूनिट तक सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना के माध्यम से किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राजस्थान :–

• प्रधानमंत्री फलस बीमा योजना : खरीफ 2025 में 2.18 करोड़ पॉलिसियां तथा रबी 2025–26 में 1.71 करोड़ पॉलिसियां, देश में प्रथम।

• पीएम–कुसुम योजना (कम्पोनेंट–ए) : अक्षय एवं सौर ऊर्जा स्थापना में देश में प्रथम।

• पीमए–कुसुम योजना (कम्पोनेंट–सी): सौरकृत फीडरों की संख्या के आधार पर देश में प्रथम।

• अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025: 62,915 स्थलों पर 85 लाख+प्रतिभागी, देश में प्रथम।

• अंगदान एवं प्रत्यारोपणः वर्ष 2025 में राष्ट्रीय पुरस्कार व प्रथम स्थान।

• SBM(G) स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025: लक्षित हकाइयों के रूपांतरण में प्रथम।

• फिट इंडिया फ्रीडम रन 2024: देश के 10,443 कार्यक्रमों में से 6,202 केवल राजस्थान में–प्रथम स्थान।

• विकसित भारत संकल्प यात्रा : 11,209 कैंप, 5.94 लाख उज्ज्वला कनेक्शन–देश में प्रथम।

• जनजाति कल्याण एवं सशक्तीकरण : धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत बेस्ट पर फॉर्मिंग स्टेट।

• तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य हेतु WHO द्वारा विशेष तम्बाकू निषेध अवार्ड 2026

• खनिज ब्लॉकों की नीलामी में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार।

• पोषण पखवाड़ा 2026 गतिविधियों में प्रथम स्थान।

(पृष्ठ 08 का शेष)

आज हमें संतोष है कि रिफाइनरी में गैस एवं डीजल का उत्पादन प्रारंभ हो चुका है, पेट्रोल उत्पादन अंतिम चरण में है तथा व्यावसायिक उत्पादन का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो चुका है। साथ ही परिवहन, होटल, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सेवा क्षेत्रों में भी विस्तार होगा।

पचपदरा रिफाइनरी पश्चिमी राजस्थान की आर्थिक संरचना को नई दिशा देने वाला औद्योगिक विकास का इंजन सिद्ध होगी। प्रतिवर्ष लगभग 21 हजार करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है। लगभग 10 हजार प्रत्यक्ष तथा हजारों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निर्माण अवधि में प्रतिदिन 25 से 30 हजार श्रमिकों ने इस परियोजना को आकार दिया।

इस परियोजना के माध्यम से राजस्थान में पेट्रोकेमिकल आधारित उद्योगों का विशाल नेटवर्क विकसित होगा। प्लास्टिक, पॉलीमर, रसायन, पैकेजिंग, इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग तथा अनेक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को नई गति लगभग 4,800 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस अत्याधुनिक रिफाइनरी में आधुनिक तकनीक, स्वचालित नियंत्रण प्रणाली तथा पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। यह परियोजना 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करती है। प्रधानमंत्री मोदी के करकमलों से लोकार्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। राजस्थान की सवा आठ करोड़ जनता की ओर से मैं प्रधानमंत्री मोदी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

"भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पिछले 12 वर्ष कई मायनों में महत्वपूर्ण रहे हैं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के 12 वर्ष बदली विकास और सुशासन की तस्वीर

–रामचरण बोहरा, पूर्व सांसद, जयपुर

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में पिछले 12 वर्ष कई मायनों में महत्वपूर्ण रहे हैं। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की बागडोर संभाली, तब उन्होंने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र दिया। बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, आधारभूत संरचना, सामाजिक कल्याण, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। इन वर्षो का मूल्यांकन केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि देश के व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के संदर्भ में भी किया जाना चाहिए। इन 12 वर्षों की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर व्यवस्था का विस्तार और सुदृढ़ीकरण रहा है। एक समय देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजवी गांधी ने कहा था कि सरकार द्वारा भेजे गए एक रूपये में से केवल 15 पैसे ही वास्तविक लाभार्थी तक पहुंचते है। यह उस समय की व्यवस्था में मौजूद बिचौलियों और भ्रष्टाचार की ओर संकेत था।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर व्यवस्था

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनधन खाते, आधार और मोबाईल तकनीक को जोड़कर ऐसी व्यवस्था विकसित की गई, जिसके माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचने लगा। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ी, बल्कि करोड़ों रूपये की बचत हुई और फर्जी लाभार्थियों पर भी प्रभावी रोक लगी। यदि आधारभूत संरचना की बात करें तो देश में सड़कों, एक्सप्रेस वे, रेलवे, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के विकास की गति अभूतपूर्व रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृतव में ग्रामीण क्षेत्रों तक सड़क संपर्क बढ़ाने, रेलवे के आधुनिकीकरण तथा वंदे भारत जैसी, आधुनिक ट्रेनों के संचालन ने परिवहन व्यवस्था को नई दिशा दी हैं देश के विभिन्न हिस्सों में नए एयरपोर्ट और बेहतर कनेक्टिविटी ने क्षेत्रीय विकास को भी गति प्रदान की है। डिजिटल भारत की परिकल्पना भी इन 12 वर्षो की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल भुगतान, यूपीआई, ऑनलाइन सरकारी सेवाएं और तकनीक आधारित प्रशासन ने आम नागरिक के जीवन को सरल बनाया है। आज भारत डिजिटल लेन देन के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में गिना जाता है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर व्यवस्था की सफलता में भी डिजिटल इंडिया अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पारदर्शिता और जवाबदेही सरकारी

योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाने की व्यवस्था ने पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया है तथा यह सुनिश्चित किया है कि सरकारी सहायता बिना किसी बिचौलिए के सीधे पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। सामाजिक क्षेत्र में भी अनेक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने, शौचालय निर्माण, स्वच्छता अभियान, गैस कनेक्शन, स्वास्थ्य बीमा और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार ने करोड़ों लोगों के पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार ने करोड़ों लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की गैस सब्सिडी हो, किसान सम्मान निधि की सहायता राशि, छात्रवृत्तियां, पेंशन या अन्य कल्याणकारी योजनाएं इन सभी में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर व्यवस्था ने लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महिलाओं के सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन और ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। जनधन खातों के माध्यम से बैंकिंग सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास भी उल्लेखनीय रहा हैं।

स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहन

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहन मिलने से युवा उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज़ पहले की तुलना में अधिक मजबूत और निर्णायक रूप से सुनी जा रही है। जी20 जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की सफलत मेजबानी ने भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के 12 वर्षो ने भारत के विकास की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखे हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने संवाद में यूपीए पर किया तीखा हमला

'2014 से पहले भ्रष्टाचार और महंगाई से जूझ रहा था देश, मोदी ने बदली तस्वीर'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मीडिया संवाद में कांग्रेस नीत यूपीए सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए, उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश भ्रष्टाचार, महंगाई, आतंकवाद, नक्सलवाद और नीतिगत अव्यवस्था जैसी गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, निर्णय लेने की प्रक्रिया प्रभावित थी और जनता का भरोसा शासन व्यवस्था से डगमगा रहा था। ऐसे दौर में नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली और अपने दूरदर्शी नेतृत्व से भारत को नई दिशा देने का काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपीए शासन के दौरान देश कई घोटालों और प्रशासनिक अस्थिरता का सामना कर रहा था। विकास की गति प्रभावित हो रही थी और आम नागरिक खुद को व्यवस्था से दूर महसूस कर रहा था। प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र के साथ पिछले 12 वर्षो में गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम किया है।

केन्द्र ने लिए ऐतिहासिक फैसले

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कई ऐतिहासिक फैसले लिए। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छे–370 हटाने, जीएसटी लागू करने, वन रैक–वन पेंशन और भारतीय न्याय संहिता जैसे निर्णयों ने देश की दिशा और दशा बदलने का काम किया हे। इन फैसलों से मजबूत और निर्णायक नेतृत्व की झलक दिखाई देती है।

अपनाई जीरो टॉलरेंस की नीति

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भी मोदी सरकार की उपलब्धियॉ गिनाई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के जरिए दुनिया को अपनी ताकत का अहसास कराया है। आज भारत अपनी सीमाओं की रक्षा के साथ–साथ आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही करने में सक्षम है।

12 वर्षो में देश में सेवा, गरीब कल्याण, सुशासन के नए मानक हुए स्थापित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जवाहर कला केन्द्र में 12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जन कल्याण के, प्रदर्शनी का उद्घाटन कर उसका अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 12 वर्षों में देश में सेवा, गरीब कल्याण, सुशासन के नए मानक स्थापित हुए है। केन्द्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से अंतिम छोर के व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित हुई है तथा इससे करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनी में सरकार द्वारा गरीब कल्याण, महिला सशक्तीकरण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा एवं सुशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यो को आकर्षक एवं तथ्यपरक स्वरूप में दर्शाया गया है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

'12 साल में बदली देश और राजस्थान की तस्वीर'

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने केन्द्र सरकार के 12 वर्षो और राज्य सरकार के ढाई वर्ष की उपलब्धियां गिनाई और कहा कि गरीब कल्याण को शासन के केन्द्र में रखते हुए करोड़ों लोगों तक पक्के घर, बिजली, गैस कनेक्शन, शुद्ध पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए कौशल विकास, स्टार्टअप इंडिया डिजिटल इंडिया और नवाचार आधारित कार्यक्रम शुरू किए गए। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, पीएम अवास योजना और लखपति दीदी जैसी योजनाएं लागू की गई। किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, सिंचाई सुविधाओं और एमएसपी में बढ़ोतरी जैसे कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाओं का राजस्थान को भी व्यापक लाभ मिला है। प्रदेश में 2.45 करोड़ मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए, 34 लाख से अधिक आवास बनाए गए तथा 63 लाख से अधिक नल कनेक्शन दिए गए। वहीं 35 हजार करोड़ रूपए से अधिक का फसल बीमा मुआवजा किसानों को मिला है।

केन्द्र सरकार की प्रमुख उपलब्धियां गिनाई

- 25 करोड़ से अधिक लोग गरीब रेखा से बाहर आए।
- 80 करोड़ लोगों का मुफ्त राशन का लाभ।
- 60 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा कवरेज़।

- पक्के घर, गैस, बिजली, जल और शौचालय सुविधाओं का विस्तार।
- स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया को बढ़ावा।
- पीएम किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजनाएं
- अनुच्छेद 370 हटाना, जीएसटी लागू करना।
- वन रैक–वन पेंशन लागू करना।
- मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान।
- सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आतंकवाद पर जीरा टॉलरेंस नीति।

राजस्थान सरकार की प्रमुख उपलब्धियां

- राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड़ रू. के एमओयू
- 9 लाख करोड़ रू. के निवेश प्रस्ताव धरातल पर पहुंचे
- पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं को गति।
- जल संरक्षण के लिए वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान।
- 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य।
- 26 जिलों में दिन में बिजली आपूर्ति शुरू।
- जन कल्याध शिविरों का आयोजन।
- ग्राम विकास यात्रा और ग्राम विकास चौपाल।
- हरियालों राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण।
- भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार और पेपर लीक पर कार्रवाई।
- पारदर्शी शासन और निवेश आधारित विकास मॉडल पर फोकस।

मोदी ने बढ़ाया भारत का मान, भजन लाल सरकार ने विकास को दी नई रफ्तार : मदन राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल को भारत के गौरव, आत्मनिर्भरता और सुशासन का स्वर्णिम काम बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर नई पहचान बनाई है और दुनिया को अपनी सामरिक, आर्थिक तथा तकनीकी ताकत का अहसास कराया है।

कोरोना काल में वैक्सीन निर्माण और वितरण भारत की बड़ी उपलब्धि रही। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में पारदर्शी शासन, निवेश प्रोत्साहन और युवाओं के हित में प्रभावी कदम उठाए गए है। राइजिंग राजस्थान, भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार और पेपर लीक पर कार्रवाई से प्रदेश में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार का लक्ष्य विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाकर विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करना है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर कोलकाता बना राष्ट्रवाद का केंद्र

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रखी 125 फीट ऊंची प्रतिमा की आधारशिला

भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर 6 जुलाई 2026 को कोलकाता में भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने न्यू टाउन स्थित इको पार्क परिसर में डॉ. मुखर्जी की प्रस्तावित 125 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा की आधारशिला रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। न्यू टाउन में आयोजित समारोह में भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रस्तावित प्रतिमा को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रवादी विरासत और उनके अद्वितीय योगदान का प्रतीक बताया गया।

पश्चिम बंगाल को भारत में बनाए रखने का ऐतिहासिक संघर्ष

जब माउंटबेटन की भारत विभाजन घोषणा (3 जून 1947) का गांधी जी ने समर्थन कर दिया तब डॉक्टर मुखर्जी ने इसे देश के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात करार दिया। पंजाब और बंगाल किसके साथ रहेंगे इसका निर्णय विधानसभा के माध्यम से किया जाना था। 1946 के चुनावों में बंगाल राज्य में मुस्लिम लीग की सरकार स्थापित हुई थी और राज्य की विधानसभा में स्पष्ट रूप से मुस्लिम बहुमत था, जबकि तत्कालीन बंगाल में हिंदू अल्पसंख्यक (कुल आबादी का 42%) थे। मुस्लिम लीग के एच.एस. सुहरावर्दी और कांग्रेसी नेता शरद चंद्र बोस भारत और पाकिस्तान से अलग एक ''स्वतंत्र संयुक्त बंगाल'' बनाना चाहते थे। यह एक साजिश थी जिसमें आगे चलकर अल्पसंख्यक हिंदुओं को अत्याचार और धर्म परिवर्तन के द्वारा पूरी तरह दबा दिया जाता और स्वतंत्र संयुक्त बंगाल को पाकिस्तान में शामिल कर लिया जाता। डॉ. मुखर्जी ने एक ऐतिहासिक और व्यावहारिक रूख अपनाया। उन्होंने मुस्लिम लीग पूरे बंगाल को पाकिस्तान से मिलाने की साजिश को भांप लिया और पूरजोर मांग की कि यदि देश का विभाजन धार्मिक आधार पर हो रहा है, तो बंगाल के हिंदू बहुल क्षेत्रों को भारत में ही रहना चाहिए। उनका यह संघर्ष राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि बंगाल के हिंदुओं की सुरक्षा, संस्कृति और उनके अस्तित्व को बचाने की एक पवित्र लड़ाई थी। उनके इसी भागीरथ प्रयास का परिणाम है कि आज का 'पश्चिम बंगाल' भारत का मुकुट बना हुआ है। इसी संदर्भ में उनका वह ऐतिहासिक कथन आज भी गूंजता है– **''कांग्रेस ने भारत का विभाजन किया, लेकिन मैने पाकिस्तान का विभाजन किया।**

विश्वास, विकास और जन कल्याण के 12 वर्ष

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में सशक्त, समृद्ध–सुरक्षित भारत, नई दिशा में बढ़ता राजस्थान, राष्ट्र प्रथम ही मंत्र लोक सेवा ही संकल्प विकास भी, विश्वास भी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकास को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे जन कल्याण, सुशासन और अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं की पहुंच का माध्यम बनाया। गरीब कल्याण, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण, किसान सम्मान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण जैसे क्षेत्रों में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने भारत को विश्व मंच पर नई पहचान दी है।

इन 12 वर्षों में राजस्थान ने भी विकास की नई गति प्राप्त की है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश आज ऊर्जा, निवेश, जल प्रबंधन, सड़क, पर्यटन और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केन्द्र और राज्य के बेहतर समन्वय ने राजस्थान की वर्षो पुरानी चुनौतियों को अवसरों में बदलने का कार्य किया है।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी, जयपुर मेट्रो फेज–2, माही–बांसवाडा परमाणु ऊर्जा परियोजना, रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, दिल्ली–मुम्बई एक्सप्रेस–वे और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की उपलब्धियां इस विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव है।

विभिन्न राष्ट्रीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों में राज्य ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान, ''विकसित भारत'' की परिकल्पना को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

राजस्थान 12 राष्ट्रीय कार्यक्रमों योजनाओं में देश में प्रथम स्थान

1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना : 18 करोड़ पॉलिसियां खरीफ 2025 में तथा 1.71 करोड़ पॉलिसियां रबी 2025–26 में।
2. पीएम–कुसुम योजना (कम्पोनेंट–ए) : अक्षय एवं सौर ऊर्जा स्थापना में।
3. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 : 62,915 स्थलों पर 85 लाख प्रतिभागी।
4. SBM (G)-स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 : लक्षित इकाइयों के रूपांतरण में प्रथम।
5. विकसित भारत संकल्प यात्रा : 11,209 कैंप, 5.94 लाख उज्ज्वला कनेक्शन।
6. पीएम–कुसुम योजना (कम्पोनेंट–सी) : सौरकृत फीडरों की संख्या के आधार पर
7. अंगदान एवं प्रत्यारोपण : वर्ष 2025 में राष्ट्रीय पुरस्कार व प्रथम स्थान।
8. फिट इंडिया फ्रीडम रन 2024 : देश के 10,443 कार्यक्रमों में से 6,202 केवल राजस्थान में।
9. जनजाति कल्याण एवं सशक्तिकरण : धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अन्तर्गत बेस्ट परफॉमिंग स्टेट।
10. तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य हेतु WHO द्वारा विशेष तम्बाकू निषेध अवार्ड 2026
11. खनिज ब्लॉकों की नीलामी में अनुकरणीय प्रदर्शन।
12. पोषण पखवाड़ा 2026 गतिविधियों में प्रथम स्थान।

सौर ऊर्जा में अव्वल : ऊर्जा आत्मनिर्भरता की मिसाल

राजस्थान आज सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ ऊर्जा विजन से प्रदेश में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को नई गति मिली हे। भड़ला सोलर पार्क विश्व के सबसे बड़े सौर ऊर्जा पार्को में शामिल है। राजस्थान की विशाल रेगिस्तानी भूमि सौर ऊर्जा उत्पादन की सबसे बड़ी ताकत बन रही है। सौर ऊर्जा के विस्तार से रोजगार, निवेश और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है। यह विकसित भारत की ऊर्जा जरूरतों में राजस्थान की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

राजस्थान में सेमीकंडक्टर उद्योग : नए रोजगार की संभावनाएं

देश में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत राजस्थान में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में काम हो रहा है। राजस्थान में नई तकनीक आधारित उद्योगों के आने से युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के अवसर बढ़ेंगे। सेमीकंडक्टर क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। यह पहल राजस्थान को आधुनिक उद्योगों के नक्शे पर मजबूत स्थान दिलाएगी।

राजस्थान रिफाइनरी : औद्योगिक विकास की नई पहचान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान को

मिली सबसे बड़ी विकास सौगातों में पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना प्रमुख है। लगभग 79,459 करोड़ रूपये की यह परियोजना पश्चिमी राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी। 9 मिलियन मीट्रिक टन क्षमता वाली यह रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल उद्योगों के विस्तार का आधार बनेगी। इससे बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जालौर और जोधपुर क्षेत्र में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह परियोजना राजस्थान को ऊर्जा और उद्योग के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रामजल सेतु : राजस्थान की जल सुरक्षा का नया अध्याय

राजस्थान जैसे जल संकट वाले प्रदेश के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जल प्रबंधन को विशेष प्राथमिकता मिली है। रामजल सेतु लिंग परियोजना प्रदेश की जल आवश्यकताओं को पूरा करने वाली ऐतिहासिक पहल है। चंबल नदी पर बन रहा यह प्रोजेक्ट 17 जिलों के लगभग 3.25 करोड़ लोगों को पेयजल और सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक होगा। लगभग 2,280 मीटर लंबा रामजल सेतु राजस्थान के जल भविष्य को मजबूत करेगा। यह परियोजना किसानों और आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव लाएगी।

जयपुर मेट्रो फेज–2 : आधुनिक राजस्थान की रफ्तार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राजस्थान में आधुनिक परिवहन व्यवस्था को नई गति मिली है। जयपुर मेट्रो फेज–2 परियोजना राजधानी के विकास को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है। लगभग 13,037 करोड़ रूपये की यह परियोजना जयपुर शहर की बढ़ती जरूरतों को पूरा करेगी। 41 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर और 36 स्टेशनों वाली यह मेट्रो व्यवस्था यातायात को सुगम बनाएगी। यह पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक शहरी विकास का प्रतीक बनेगी।

यमुना जल समझौता : शेखावाटी के किसानों के लिए बड़ी सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान के जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में ऐतिहासिक पहल हुई है। यमुना जल समझौते से शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, झुंझुनूं और चूरू जिलों को बड़ा लाभ मिलेगा। दशकों पुरानी जल समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे लगभग तीन लाख किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता राजस्थान के किसानों की समृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला कदम है।

(पृष्ठ 06 का शेष)

किए। कई कैंटीन और रिलीफ सेंटर शुरू किए गए। 1942 में मेदिनीपुर में भीषण चक्रवात आया। तब उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य का नेतृत्व किया।

कोलकाता के एक कॉलेज में युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. मुखर्जी ने उनसे आग्रह किया था, 'आप जो भी कार्य करें, उसे पूरी गंभीरता, लगन और ईमानदारी से करें। किसी भी काम को कभी अधूरा न छोड़ें। तब तक स्वयं को संतुष्ट न मानें, जब तक आपने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान न दे दिया हो।' आज हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम प्रतिदिन उस भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयास करें, जिसकी उन्होंने परिकल्पना की थी। एक ऐसा भारत जो सशक्त हो, एकजुट हो, आत्मविश्वास से भरपूर और संवेदनशील हो। देश के युवाओं पर मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बढ़–चढ़कर भागीदारी करेंगे और इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएंगे।

देश के हर जरूरतमंद तक पीडीएस के माध्यम से समय पर खाद्यान्न पहुंचे, इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सार्थक पीडीएस को ज्यादा आधुनिक और प्रभावी बनाकर जारी रखने का फैसला किया गया है। इससे पीडीएस से होने वाली डिलिवरी, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और बेहतर बनेगी, साथ ही शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी। –**नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री (27 मई 2026)**

मोदी सरकार भारत की सीमाओं को और अधिक सुरक्षित, सशक्त एवं अभेद्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी संकल्प के तहत आज गुजरात के भुज में बॉर्डर आउट पोस्ट जी–7 और जी–13 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीमा की रक्षा में दिन–रात तत्पर रहने वाले बीएसएफ के वीर एवं सतर्क जवानों से संवाद भी किया।

– अमित शाह, केन्द्रीय गृह मंत्री (29 मई 2026)

04 जुलाई 2026 राजस्थान के लिए ऐतिहासिक दिन

विकास के पथ पर गतिमान राजस्थान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलो द्वारा 1 लाख 5 हजार करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास/उद्घाटन/लोकार्पण

राजस्थान रिफाइनरी पचपदरा जिला बालोतरा

- राजस्थान रिफाइनरी का राष्ट्र को समर्पण।
- 79 हजार करोड़ से अधिक की लागत से तैयार ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी।
- देश का पहला एकीकृत रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल परिसर।
- रिफाइनरी की क्षमता 9 एमएमटीपीए एवं 29 प्रसंस्करण इकाइयाँ।
- 35 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार एवं एक लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार।

जयपुर मेट्रो फेज–2

- 13 हजार करोड़ की लागत के जयपुर मेट्रो फेज–2 का शिलान्यास।
- 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर
- प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक कुल 36 स्टेशन।
- जयपुर के सीतापुरा से लेकर वीकेआईए तक यातायात सुगम।
- शहरी विकास और समय की बचत।

यमुना जल परियोजना

- यमुना जल एमओयू आभार।
- 34,102 करोड़ रूपए की महत्वाकांक्षी परियोजना।
- राजस्थान को यमुना जल मिलाने की 30 वर्ष की मांग पूरी
- शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, चूरू, झुंझुनूं एवं अन्य क्षेत्रों को मिलेगा भरपुर पानी।
- 75 लाख आबादी को लाभ।

53,977 युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र

- सरकारी पदों पर पारदर्शी भर्तियाँ।
- 1.25 लाख से अधिक नियुक्तियाँ।
- 1 लाख 45 हजार भर्तियाँ प्रक्रियाधीन।
- 1,25,000 सरकारी नौकरियों का वार्षिक कलैण्डर जारी।

जोधपुर हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन परियोजना के लाभ

- चार गुना अधिक क्षेत्रफल (23,342 वर्गमीटर) वाले अत्याधुनिक टर्मिनल भवन से सुविधाजनक हवाई यात्रा।
- जोधपुर व आसपास क्षेत्रों के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा
- क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार के नए अवसरों का सृजन।
- स्थानीय उत्पाद के निर्यात,व्यापार की संभावना में वृद्धि

परियोजना की प्रमुख विशेषताएं

- 480 करोड़ रूपये की लागत से मारवाड़ की शाही वास्तुकला से प्रेरित सस्टेनेबल विशेषताओं वाला आधुनिक टर्मिनल भवन।
- व्यस्ततम समय में प्रति घंटे यात्री सेवा क्षमता 200 से बढ़कर 1500 वार्षिक यात्री सेवा क्षमता 20 लाख।
- 20 चेक–इन काउंटर, 03 कन्वेयर बेल्ट, 06 एक्स–रे बैगेज स्कैनर एवं 06 पैसेंजर बोर्डिंग ब्रिज।
- विमान पार्किंग क्षमता 04 से बढ़कर 12 (ए–320 प्रकार के विमान)

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम

- रिफाइनरी में सालाना 9 मिलियन मीट्रिक टन कच्चे तेल का उपयोग होगा, जिसमें 1.5 मिलियन मीट्रिक टन स्थानीय
- 7.5 मिलियन टन आयातित (अरब देशों से) से आएगा। मुद्रा पोर्ट से पचपदरा तक इलेक्ट्रिक हीटेड पाइपलाइन के जरिए कच्चा तेल लाया जाएगा, जिससे गुणवत्ता और प्रवाह बना रहेगा।

औद्योगिक क्षेत्रों को मिलेगा नया इंजन

- रिफाइनरी से निकलने वाले उत्पाद परिवहन, फार्मा, पैंट्स, पैकेजिंग को गति देंगे। इससे पेट्रोकेमिकल सेक्टर में आयात निर्भरता कम होगी। घरेलु उद्योगों को कच्चा माल सुलभ होगा। डाउनस्ट्रीम उद्योगों में तेजी आने से इंजेक्शन मोल्डिंग, ब्लो मोल्डिंग, सिंथेटिक फाइबर, पाइप, पेंट, पैकेजिंग सेक्टरों में बड़े निवेश की संभावनाएं बनेंगी।

राजस्थान को ये फायदे

- प्रतिवर्ष लगभग 21000 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त होगा
- लगभग 10 हजार प्रत्यक्ष तथा हजारों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर।
- निर्माण में प्रतिदिन 25 से 30 हजार श्रमिकों ने इसको आकार दिया।
- देश की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल परियोजनाओं में से एक।
- इसकी 9 एमएमटीपीए रिफाइनिंग, 2.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वीं जयंती के अवसर पर छात्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय कुमार तथा मंच पर विराजमान प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़ एवं प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री शंकर गौरा

यमुना जल समझौता कर दिल्ली से पधारने पर माननीय मुख्यमंत्री जी को मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़ एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय कुमार

मुख्यमंत्री जी के यमुना जल समझौता कर पधारने पर प्रदेश कार्यालय में स्वागत करते हुए महिला मोर्चा कार्यकर्तागण

मुख्यमंत्री जी के यमुना जल समझौता कर पधारने पर प्रदेश कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्तागण

आर.एन.आई. पंजीयन क्र.–RAJHIN/2010/34673

भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'मन की बात' सुनते हुए कार्यकर्तागण

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मोदी जी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़ एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय कुमार

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री श्री मिथिलेश गौतम

मीडिया, सोशल मीडिया एवं आई.टी. विभाग की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक बैठक में उपस्थित भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय कुमार, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी, श्री अरुण चतुर्वेदी तथा बैठक में उपस्थित कार्यकर्तागण

शत्–शत् नमन

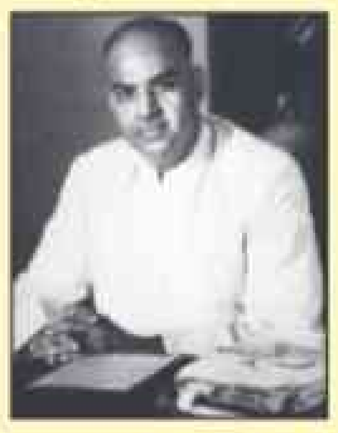

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
125वीं जयंती (6 जुलाई)

मरु कमल दर्पण (मासिक) प्रकाशन तिथि : 25 जुलाई, 2026

प्रेषण तिथि : 29 जुलाई, 2026

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक – डॉ. सतीश पूनियां द्वारा डायमण्ड प्रिंटिंग प्रेस, 9, मोतीसिंह भोमियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर से मुद्रित एवं सी–51, सरदार पटेल मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर से प्रकाशित, सम्पादक – डॉ. सतीश पूनियां